दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-162 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 04 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विधानसभा उपचुनावः

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के गढ़ में जीते प्रशांत किशोर, दतिया में कांग्रेस का कब्जा

मांजलपुर में भाजपा ने दर्ज की बड़ी जीत

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश के 3 राज्यों की 3 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आ चुके हैं। बिहार की बांकीपुर सीट पर भाजपा को बड़ा झटका लगा है। यहां से जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर को 19,000 से अधिक वोटों से जीत मिली है। यह उनकी पहली चुनावी जीत है। वहीं, मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा के सतेंद्र भाई पटेल को जीत मिली है।बांकीपुर में प्रशांत शुरू से ही बढ़त बनाए हुए हैं और आखिरी में उन्होंने जीत दर्ज कर ली। उन्हें 63,946 वोट मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार को 44,700 वोटों से संतोष करना पड़ा।राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की रेखा कुमारी 14,241 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रही।बांकीपुर के पिछड़ना भाजपा के लिए बड़ा सियासी झटका है। ये पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की सीट रही है। भाजपा ने यहां से उम्मीदवार भी बदला था।चुनाव में जीत के बाद प्रशांत ने कहा, यह लड़ाई व्यक्तिगत नहीं है। मुख्यमंत्री (सम्राट चौधरी) का चरित्र पब्लिक डोमेन में है। किसी काबिल आदमी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाइए ताकि बिहार का विकास हो। उन्होंने बांकीपुर के विकास पर कहा, अपनी ओर से जो हो सकेगा, बांकीपुर में सुधार का कार्य करवाएंगे। कुछ महीने में आपको सुधार दिखना शुरू हो जाएगा। मैं बांकीपुर को कोई बेंगलुरु तो नहीं बना दूंगा, लेकिन आपको सुधार जरूर देखने को मिलेगा।प्रशांत ने आगे कहा, बांकीपुर की जनता ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को संदेश दिया है कि भाई, आप किसी अच्छे आदमी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाइए। बिहार के लोग किसी ऐसे व्यक्ति को नेतृत्व सौंपना नहीं चाहते जिसका आपराधिक पृष्ठभूमि हो या जिसका आचरण, चरित्र और प्रतिष्ठा संदिग्ध हो।उन्होंने कहा, अगर किसी कुशवाहा को ही मुख्यमंत्री बनाना है, तो बनाइए, लेकिन कुशवाहा समाज के ही किसी पढ़े-लिखे और अच्छे व्यक्ति को सामने लाइए।गुजरात के मांजलपुर में भाजपा ने आसान जीत दर्ज की। यहां भाजपा प्रत्याशी सतेंद्रभाई पटेल ने कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी को 30,630 वोटो से रहा दिया।सतेंद्र को 55,481 वोट मिले, जबकि भीखाभाई को 24,851 वोटों से संतोष करना पड़ा।यह सीट भाजपा का गढ़ रही है। 2012 में पहली बार चुनाव से लेकर अब तक यहां भाजपा का कब्जा रहा है।2022 में भाजपा ने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी। सतीश पटेल ने अपनी इस सफलता का श्रेय मांजलपुर की जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं को दिया।उन्होंने कहा, मांजलपुर की जनता ने जिस प्रकार स्वर्गीय योगेश काका पर अपना भरोसा जताया था, वैसा ही अभूतपूर्व आशीर्वाद मुझे भी दिया है। यह जीत पूरी तरह से जनता की जीत है। मैं जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा। क्षेत्र का विकास, बेहतर सड़कें, पेयजल आपूर्ति और अन्य बुनियादी जनसुविधाएं उनकी प्राथमिकता होगी।बांकीपुर सीट भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से 5 बार विधायक रहे हैं। उनको राज्यसभा भेजे जाने के चलते ये सीट खाली हुई थी।वहीं, मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस के राजेंद्र भारती विधायक थे। एक मामले में सजा होने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता चली गई थी, जिसके चलते यहां उपचुनाव हुए।मांजलपुर सीट भाजपा के पूर्व विधायक और राज्य मंत्री योगेश पटेल के निधन के चलते खाली हुई है।कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई दिग्गज पार्टियों और नेताओं के चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार अपनी किस्मत आजमाई थी।तब उनके पार्टी ने 238 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। हालांकि, वे खुद चुनाव नहीं लड़े थे।नतीजों में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन 3.44 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। बांकीपुर की जीत प्रशांत की पहली चुनावी जीत है।

दतिया में रही भाजपा और कांग्रेस की कांटे के टक्कर

दतिया (ए.)। दतिया में भाजपा और कांग्रेस में कांटे की टक्कर रही। शुरुआती 3 राउंड में भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी आगे चल रहे थे, लेकिन बाद में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने बढ़त बना ली।आखिर में उन्होंने 6,016 वोटों से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 66,757 वोट मिले, जबकि आशुतोष को 60,741 वोटों से ही संतोष करना पड़ा।यहां भाजपा ने राज्य के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं दिया था। इस पर उनके समर्थकों ने हंगामा किया था।

जंतर-मंतर अब प्रदर्शन के लिए सही स्थान नहीं : सुप्रीम कोर्ट याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को उस याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें यह मुद्दा उठाया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी के बीचों-बीच जंतर-मंतर अब विरोध प्रदर्शन के लिए सही जगह नहीं है, क्योंकि इससे स्थानीय लोगों को परेशानी होती है और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति में बाधा आती है.

यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया. पीठ ने याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी किए.

पीठ ने कोर्ट रूम में मौजूद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि याचिका में कहा गया है कि प्रवेश और निकास की समस्याओं के साथ-साथ आवश्यक चिकित्सा वस्तुओं की आपूर्ति में व्यवधान के कारण जंतर-मंतर अब इस तरह के विरोध प्रदर्शन के लिए उचित स्थल नहीं है. पीठ ने कहा कि वह इस मामले को महत्वपूर्ण मानती है. पीठ ने मेहता से याचिका में उठाए गए मुद्दों पर अधिकारियों से निर्देश प्राप्त करने को कहा.

कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने एक प्रस्तावित राजनीतिक मार्च का भी जिक्र किया. वकील ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने एक टाउन हॉल बुलाया और प्रधानमंत्री के आवास तक मार्च करने का फैसला किया. वकील ने कहा कि 20 जुलाई जैसी एक और घटना से बचना चाहिए.

कांग्रेस नेता नाना पटोले के पैर धोने का वीडियो वायरल, भाजपा ने कसा 'संस्कृति' पर तंज

मुंबइ (आरएनएस)। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले के पैर धोने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्य में नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। राज्य की सत्ता में शामिल भाजपा ने इस वीडियो को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए इसे 'कांग्रेस की संस्कृति' करार दिया है। इसके बाद पटोले ने भी इस पर सफाई देते हुए विरोधियों को आड़े हाथों लिया है।वायरल वीडियो में नाना पटोले एक सोफे पर बैठे हैं, जबकि 2 युवक उनके पैर धो रहे हैं और उनके पैरों पर फूल बरसा रहे हैं। पटोले के पैरों के पास कुछ फल भी दिख रहे हैं।इस वीडियो को लेकर महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, ऐसी गतिविधियां करना कांग्रेस नेताओं की संस्कृति को दर्शाता है।

हितग्राही को हक की सौ प्रतिशत राशि मिले, यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के शासन में ही संभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभाशाली बेटियों को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप की राशि प्रदान की

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक समय था जब देश के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि दिल्ली से जारी सरकार की राशि का सिर्फ 15 प्रतिशत जनता तक पहुंचता है। एक अन्य प्रधानमंत्री जो पूर्व में वित्त मंत्री और रिजर्व बैंक के गवर्नर भी रहे वे डीबीटी जैसी व्यवस्था लागू करने के पक्ष में नहीं थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शून्य बैलेंस पर बैंक खाते प्रारंभ करवाने की पहल की। आज हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में मिलने वाली राशि का 100 प्रतिशत आसानी प्राप्त हो रहा है। यह सरकारों के संचालन का फर्क है। कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक टीवी न्यूज चैनल द्वारा जिलों की टॉपर और अन्य प्रतिभाशाली छात्राओं को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप अंतर्गत प्रोत्साहन राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीमित साधनों के बीच जिन बेटियों ने अपनी प्रतिभा से टॉपर होने में सफलता प्राप्त की है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सम्मानित की जा रही बेटियों और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में विद्यार्थियों को प्राप्त सफलता राज्य की उपलब्धि है। यह विद्यार्थी आगे चलकर

सिर्फ नौकरी ना करें बल्कि अपने उद्योगों की स्थापना के लिए प्रेरित हों। हमारे देश में प्राचीन काल से स्वावलंबन की परंपरा रही है। स्व-अनुशासन से कार्य करते हुए अपने परिश्रम से व्यक्ति सफल होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर टीवी चैनल प्रतिनिधि द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे नौकरी प्राप्त करने की ललक के साथ ही अपने उद्यम स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ें। मध्यप्रदेश की आबादी के मान से सेवा करने वाले संख्या कुछ लाख ही है जबकि अधिकांश आबादी अपने व्यापार व्यवसाय से जुड़ी है। आजीविका का साधन स्वयं निर्मित कर जीवन को आसान बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न सेवाओं में बहनों को दिए जा रहे आरक्षण, संपत्ति की रजिस्ट्री में दी जा रही छूट और उद्योगों में बहनों को आरक्षण के संबंध में जानकारी दी।

एआई से किसी को खतरा नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। एक राष्ट्र, एक प्रधान, एक निशान की तरह एक कानून होना चाहिए। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई से किसी को खतरा नहीं है। प्रत्येक नवाचार का प्रारंभ में विरोध होता है। बाद में उसे अंगीकार किया जाता है। भारत का टैलेंट नवाचार करने और स्वयं एवं राष्ट्र के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की टॉपर बेटी चांदनी विश्वकर्मा खुशी राम सहित विभिन्न जिलों की टॉपर बेटियों को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप प्रदान की। निजी टीवी चैनल की ओर से नरेंद्र गोयल ने स्वागत उद्बोधन दिया।

दिल्ली के स्कूलों को फिर मिली बम की धमकी, पुलिस ने खाली कराया परिसर; शुरू की तलाशी

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी का मामला सामने आया है. जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया. दिल्ली फायर पुलिस के मुताबिक कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई हैं. जानकारी मिलते ही तुरंत दमकल विभाग, डॉग स्क्कॉड और बम निरोधक दस्ता की टीम पहुंच गई है. छानबीन की जा रही हैं. अभी यह कह पाना मुश्किल है कि कितने स्कूलों को यह धमकी भरे मेल प्राप्त हुए हैं .फिलहाल मौके पर स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई है और जांच में जुट गई है. धमकाए गए स्कूलों के परिसर की गहन जांच चल रही है शुरुआती मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्कूल सुरक्षा टीमें पूरे परिसर, कक्षाओं, बाथरूम और आसपास के क्षेत्रों की तलाशी ले रही हैं.

आतंकी खतरे के बाद अब सीएम शुभेंदु को मिली बुलेटप्रूफ कार

कोलकाता (आरएनएस)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जान का गंभीर खतरा सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा व अभेद्य बना दिया गया है। खुफिया इनपुट और सुरक्षा समीक्षा के बाद अब राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने मुख्यमंत्री को बुलेटप्रूफ गाड़ी की सेवा प्रदान कर दी है।पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स से जुड़े सूत्रों के अनुसार, हाल ही में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ मिली बड़ी सफलता और जांच में सामने आए गंभीर सुरक्षा इनपुट के बाद यह फैसला लिया गया है।हाल ही में एसटीएफ की टीम ने जैश-ए-मोहम्मद से कथित रूप से जुड़े संदिग्ध हमीम मंडल और उसकी सहयोगी अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया था।

राम मंदिर ट्रस्ट में एक और बड़ा फेरबदल, चढ़ावा चोरी कांड के बाद पालक पद से भैयाजी जोशी की भी हुई छुट्टी

अयोध्या (आरएनएस)।राम मंदिर में हुए बहुचर्चित चढ़ावा चोरी कांड के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बड़े पैमाने पर 'ऑपरेशन क्लीन' और बदलावों का दौर जारी है। व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाने के लिए ट्रस्ट के अहम पदों पर काबिज दिग्गजों की एक के बाद एक छुट्टी हो रही है। महासचिव चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव के दायित्वों में बदलाव के बाद अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के कद्दावर नेता भैयाजी जोशी पर भी गाज गिरी है। उन्हें राम मंदिर के संगठन संरक्षक (पालक) की अहम जिम्मेदारी से तत्काल प्रभाव

से मुक्त कर दिया गया है। सूत्रों की मानें तो संघ के दिग्गज पदाधिकारी भैयाजी जोशी अब राम मंदिर के पालक की भूमिका में नजर नहीं आएंगे। इससे पहले वह ट्रस्ट की सभी महत्वपूर्ण बैठकों में एक आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल होते थे। उनका मुख्य काम संघ और राम मंदिर ट्रस्ट के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। अब उनके दायित्व से मुक्त होने के बाद ट्रस्ट और संगठन के बीच तालमेल बैठाने के लिए नए पालक की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। भैयाजी जोशी के हटने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर राम मंदिर का नया संगठन संरक्षक कौन होगा? जानकारी के मुताबिक, इस अहम और बड़ी जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक वरिष्ठ प्रचारक के नाम पर सबसे ज्यादा मंथन चल रहा है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से उत्तर भारत सहित कई राज्यों में भारी वर्षा का अनुमान; मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी सप्ताह के दौरान देशभर में मानसून के सक्रिय बने रहने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार उत्तर भारत, पूर्वोत्तर, पूर्वी, पश्चिमी

तटीय तथा मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में अच्छी वर्षा होने की संभावना है। कई स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी वर्षा, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को स्थानीय मौसम पूर्वानुमान और चेतावनियों पर लगातार नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में इस सप्ताह व्यापक वर्षा होने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा के साथ तेज हवाएं और वज्रपात भी हो सकता है। विभाग का कहना है कि चार अगस्त से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने वाला एक नया पश्चिमी विक्षोभ वर्षा की गतिविधियों को और तेज कर सकता है।बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का अनुमान है। वहीं मध्य भारत, कोंकण एवं गोवा, केरल तथा तटीय कर्नाटक में भी अगले कुछ दिनों तक मध्यम से भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

राजधानी समाचार

मंगलवार 04 अगस्त 2026, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स वैश्विक मानचित्र में स्थापित करेगा नई पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा हमें करेगी गौरवान्वित

भोपाल (निप्र) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल के नाथू बरखेड़ा में विकसित हो रहा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी खेल अधोसंरचना विकास परियोजनाओं में से एक है। इससे मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर की स्पर्धाएं होंगी, जिससे भोपाल खेलों के वैश्विक मानचित्र में अपनी नई पहचान कायम करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 985.76 करोड़ रुपये की लागत से 136.296 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहा यह अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स परिसर मध्यप्रदेश को देश का स्पोर्ट्स हब बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को नाथू बरखेड़ा स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स (खेल परिसर) में निर्माणाधीन कार्यों का मुआयना किया। इस मौके पर खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, मध्यप्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, सचिव खेल संजीव सिंह, संचालक खेल अंशुमन यादव सहित अन्य अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

सिंथेटिक हॉकी टर्फ़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी सिंथेटिक टर्फ़ का मुआयना किया। खेल मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस कॉम्पलेक्स में पहले चरण में मानकों का 5 हजार की क्षमता वाले पेवेलियन सहित हॉकी स्टेडियम एवं सिंथेटिक हॉकी टर्फ़ का निर्माण किया गया है। खेल विभाग को जल्द ही इसका आधिपत्य मिल जाएगा। इसी सिंथेटिक टर्फ़ पर इसी साल अक्टूबर-नवम्बर में एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को समय से पूर्व एशियन चैम्पियनशिप की सभी तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि इस स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में दो कन्वेंशन सेंटर भी स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का मुआयना कर खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं एवं निर्माण कार्यों की जानकारी ली। खेल मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इंटरनेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सभी मानकों के आधार पर 10 हजार की क्षमता वाले पेवेलियन सहित अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है। इस ट्रैक के केन्द्र स्थल पर फुटबॉल स्टेडियम निर्मित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए समान रूप से सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, नाथू बरखेड़ा के बारे में

प्रदेश को स्पोर्ट्स हब बनाने के लिए भोपाल स्थित नाथू बरखेड़ा में 136.296 एकड़ भूमि पर अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य 3 चरणों में किया जा रहा है।पहले चरण में एथलेटिक स्टेडियम (एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रेक मय पेवेलियन-1000 दर्शक क्षमता, वार्मअप ट्रेक मय) एवं हॉकी स्टेडियम (हॉकी सिंथेटिक टर्फ मय पवेलियन व प्रेक्टिस फील्ड) का निर्माण किया जा रहा है।

दूसरे चरण में इण्डोर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, स्वीमिंग कॉम्पलेक्स (ऑल वेदर), हॉस्टल बिल्डिंग (150-बालक, 150 बालिका), घुड़सवारी क्रास कंट्री ट्रेक का निर्माण किया जा रहा है। तीसरे चरण में इस इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में एक क्रिकेट स्टेडियम एवं साईक्लिंग वेलोड्रोम का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। पहले चरण का निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है।

कानपुर-मदुरई स्पेशल ट्रेन के चार अतिरिक्त फेरे

भोपाल मंडल के यात्रियों को मिलेगा लाभ, 5 अगस्त से चलेगी ट्रेन

भोपाल (आरएनएस) । त्योहारों के दौरान बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल ट्रेन के अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया है। इससे उत्तर और दक्षिण भारत के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। यह स्पेशल ट्रेन भोपाल मंडल से होकर गुजरेगी, जिससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

5 अगस्त से शुरू होंगे अतिरिक्त फेरे

रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरई स्पेशल 5 अगस्त से 26 अगस्त तक प्रत्येक बुधवार कुल चार अतिरिक्त फेरे लगाएगी। ट्रेन कानपुर सेंट्रल से सुबह 8:10 बजे रवाना होगी। वहीं गाड़ी संख्या 01926 मदुरई-कानपुर सेंट्रल स्पेशल 8 अगस्त से 29 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार कुल चार फेरे संचालित करेगी। यह ट्रेन मदुरई से रात 2:30 बजे प्रस्थान करेगी। स्पेशल ट्रेन पुखरायां, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना, भोपाल, इटारसी, नागपुर, चंद्रपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, रामगुंडम, वारंगल, खम्मम, विजयवाड़ा, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेनिगुंटा, काटपडी, जोलारपेट्टई, सालेम, नमक्कल, करूर और डिंडीगुल सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

यात्रा से पहले करें पुष्टि

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की समय-सारिणी और आरक्षण की स्थिति की पुष्टि अवश्य कर लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस मुख्यालय में हुआ राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन

भोपाल (आरएनएस) । पुलिस मुख्यालय में अगस्त माह के प्रथम कार्य दिवस 03 अगस्त, सोमवार को राष्ट्रगान जन गण मन एवं राष्ट्रगीत वंदेमातरम का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, विशेष पुलिस महानिदेशकपंकज श्रीवास्तव, रवि कुमार गुप्ता सहित पुलिस मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्रालय में राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का हुआ सामूहिक गायन

सहकारिता मंत्री श्री सारंग और मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने की सहभागिता

भोपाल (निप्र) । सहकारिता एवं खेल तथा युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के आतिथ्य में अगस्त माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर सोमवार को

मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। पुलिस बैंड ने देशभक्ति से ओतप्रोत मधुर धुनें प्रस्तुत की।

गायन में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, संजय कुमार शुक्ला, श्रीमती दीपाली रस्तोगी, शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह, विवेक कुमार पोरवाल सहित मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी और पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

"हर घर तिरंगा" अभियान 9 से 17 अगस्त तक

हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ेगा वन्दे-मातरम के 150 वर्ष का उत्सव

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान 9 से 17 अगस्त, 2026 तक संपूर्ण जन सहभागिता से चलाया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने सभी संभागायुक्त और कलेक्टर्स को तत्संबंधी निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर्स से कहा गया है कि इस अभियान में जनसामान्य को विगत वर्षों की तरह उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने एवं 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मानने के लिए सहभागिता सुनिश्चित करें। इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत शासकीय कार्यक्रम/चर्चाएँ जैसे आयोजन किए जाएंगे। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के जश्न को हर घर तिरंगा अभियान 2026 के साथ जोड़ा गया है। प्रदेश में यह जन-आंदोलन 9 से 17 अगस्त 2026 की तिथियों में पूरी जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा।सभी जिलों में तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोतरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और

पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन जैसे कार्यक्रम तथा तिरंगा संगीत कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जायेगा। स्थानीय स्व-सहायता समूहो और उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आम नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में खादी/पॉलिएस्टर के राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। अभियान में केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा कंसर्ट, तिरंगा बाइक तिरंगा ई-बाइक/तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वजबिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा एंथम आदि महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। डिजिटल सहभागिता अभियान में नागरिकों द्वारा तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करने, एवं सोशल मीडिया हेण्डल पर अभियान का प्रचार-प्रसार के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। शासकीय कार्यक्रमों, शिक्षण संस्थानों तथा सार्वजनिक सभाओं में जहाँ राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों प्रस्तुत किए जा रहे हो, वहाँ वंदे मातरम (राष्ट्रगीत) पहले गाया/बजाया जाएगा, उसके बाद राष्ट्रगान जन गण मन होगा। राष्ट्रगीत गायन के दौरान उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक सावधान की मुद्रा में सम्मानपूर्वक खड़े रहेंगे।शासकीय कार्यालयों एवं महाविद्यालयों के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के निर्धारित छंदों का शुद्ध और गरिमापूर्ण वाचन सुनिश्चित किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर से पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी जनसमस्याओं और विभिन्न विषयों से अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मामलों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके।मुलाकात के दौरान कई प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए गए। वहीं, जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।उप मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य कर रही है और जनहित से जुड़े सभी मामलों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

दतिया उपचुनाव की जीत को कांग्रेस ने बताया जनादेश, जनता और कार्यकर्ताओं का जताया आभार

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, इंदिरा भवन भोपाल में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक और समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने संबोधित किया।इस अवसर पर विधायक हेमंत कटारे, पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना सहित कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी और प्रवक्तागण मौजूद रहे। मुकेश नायक ने दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत को जनता का समर्थन बताते हुए दतिया के मतदाताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह परिणाम जनता की अपेक्षाओं और मुद्दों से जुड़ा जनादेश है। कांग्रेस जनता से जुड़े विषयों को लगातार उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि किसान, युवा, विद्यार्थी और आम नागरिक महंगाई, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को लेकर चिंतित हैं। कांग्रेस इन विषयों को लेकर अपनी आवाज आगे भी मजबूती से उठाती रहेगी।मुकेश नायक ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि सरकारों को किसानों, युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, रोजगार और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि युवाओं के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

डीएम प्रगति पोर्टल से होगी जिले की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नियमित निगरानी : कलेक्टर श्री मिश्रा

भोपाल, (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा है कि भोपाल जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नियमित निगरानी और विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के लिए डीएम प्रगति पोर्टल

प्रारंभ किया गया है। पोर्टल के माध्यम से जिले की बड़ी अधोसंरचना परियोजनाओं, मेट्रो, एमएसएमई तथा अन्य विभागीय प्रोजेक्ट्स की प्रगति की सतत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं से संबंधित जानकारी पोर्टल पर नियमित रूप से अद्यतन करने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को डीएम प्रगति पोर्टल की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि पोर्टल पर सभी संबंधित विभागों के लिए पृथक लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड बनाए जाएंगे। इसके माध्यम से परियोजनाओं की प्रगति, निर्धारित समय-सीमा तथा विभागीय समन्वय से संबंधित विषयों की निगरानी कलेक्टर द्वारा स्वयं की जाएगी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और संचालनालय स्वराज संस्थान, संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार भोपाल जिले में हर घर तिरंगा अभियान-2026 का आयोजन 9 से 17 अगस्त तक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करने के साथ तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

डीजीपी कैलाश मकवाणा के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार आधारित पुलिसिंग को संयुक्त राष्ट्र में मिली वैश्विक पहचान

डीआईजी (कम्युनिटी पुलिसिंग) डॉ विनीत कपूर ने विश्व मानवाधिकार शिखर सम्मेलन में किया मध्यप्रदेश पुलिस का प्रतिनिधित्व

भोपाल (निप्र)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मानवाधिकार आधारित एवं जन-केंद्रित पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश पुलिस के लिए यह अत्यंत गौरव एवं सम्मान का विषय है कि डीआईजी (कम्युनिटी पुलिसिंग) डॉ. विनीत कपूर को संयुक्त राष्ट्र (United Nations) मुख्यालय में आयोजित विश्व मानवाधिकार शिखर सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। विश्व के 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं, पुलिस अधिकारियों, शिक्षाविदों एवं मानवाधिकार विशेषज्ञों के मध्य उन्होंने मानवाधिकार आधारित पुलिस प्रशिक्षण एवं सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा विकसित नवाचारों, उत्कृष्ट कार्यप्रणाली एवं जन-केंद्रित पुलिसिंग मॉडल को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया।अपने संबोधन में डॉ. विनीत कपूर ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने भारतीय संविधान की मूल भावना एवं मानवाधिकारों के सार्वभौमिक सिद्धांतों को पुलिस प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण एवं पुलिसिंग की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है। उन्होंने बताया कि संवेदनशील, जवाबदेह एवं नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग ही प्रभावी कानून-व्यवस्था, सुशासन एवं जनविश्वास का सबसे सशक्त आधार है। उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस की महिला हेल्प डेस्क, शक्ति समितियाँ एवं प्रोजेक्ट सृजन जैसी अभिनव सामुदायिक पुलिसिंग पहलों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन पहलों ने महिलाओं, बच्चों एवं समाज के वंचित वर्गों तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करने, लैंगिक हिंसा एवं बाल संरक्षण के मामलों में प्रभावी हस्तक्षेप करने तथा समुदाय आधारित पुलिसिंग को नई दिशा देने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इन पहलों को सतत विकास लक्ष्य (स्डत्त-16) के अनुरूप प्रभावी, समावेशी एवं अनुकरणीय मॉडल के रूप में विशेष सराहना मिली।डॉ. कपूर ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी का भी उल्लेख किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उपस्थित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से नशामुक्ति का संदेश देने का आग्रह किया। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों एवं मानवाधिकार विशेषज्ञों ने "Say No to Drugs" का संदेश देते हुए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान की सराहना की तथा इसे समाजहित में एक अनुकरणीय पहल बताया। सम्मेलन के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार उन्मुख प्रशिक्षण प्रणाली, क्षमता निर्माण, सामुदायिक सहभागिता तथा पीपल-सेंट्रिक पुलिसिंग की व्यापक प्रशंसा की गई। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने इन पहलों को आधुनिक लोकतांत्रिक पुलिसिंग का प्रभावी उदाहरण बताते हुए इन्हें वैश्विक स्तर पर साझा किए जाने योग्य मॉडल माना।मानवाधिकार शिक्षा, पुलिस प्रशिक्षण तथा समुदाय आधारित जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं दीर्घकालिक योगदान के लिए डीआईजी (कम्युनिटी पुलिसिंग) डॉ विनीत कपूर को "Human Rights Hero Award" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके व्यक्तिगत समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व एवं नवाचारों के साथ-साथ मध्यप्रदेश पुलिस की मानवीय, संवेदनशील एवं जनोन्मुखी कार्यप्रणाली को प्राप्त अंतरराष्ट्रीय मान्यता का भी प्रतीक है।यह सम्मान मध्यप्रदेश पुलिस की जनकेंद्रित कार्यशैली, नवाचार और उत्कृष्ट पुलिसिंग का वैश्विक स्तर पर मिला महत्वपूर्ण सम्मान है। मानवाधिकार संरक्षण, सामुदायिक पुलिसिंग, जनसहभागिता तथा पुलिस क्षमता विकास जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली यह पहचान प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि इस बात का भी प्रमाण है कि मध्यप्रदेश पुलिस आधुनिक, संवेदनशील और नागरिकों के प्रति उत्तरदायी पुलिसिंग के अपने उद्देश्य को प्रभावी ढंग से साकार कर रही है।

किशोर कुमार जयंती पर एमसीयू में सजे सुरों के रंग, गूंजे सदाबहार नगमे

भोपाल, (ए)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) और मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को महान पार्श्वगायक एवं अभिनेता स्व. किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर 'ये शाम मस्तानी' अंतर महाविद्यालयीन संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंस (बीएसएसएस) के बैंड ने अपनी संगीतमय प्रस्तुति से समां बांध दिया। बैंड ने 'कोरा कागज था ये मन मेरा', 'पल पल दिल के पास', 'इंतहा हो गई', 'प्यार हमें किस मोड़ पे ले आया', 'ओ मेरे दिल के चैन', 'अरे दीवानों मुझे पहचानो', 'खइके पान बनारस वाला', 'सारा जमाना हसीनों का दीवाना' और 'एक हसीना थी' सहित कई लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों पर सभागार में मौजूद श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किशोर कुमार के बहुआयामी व्यक्तित्व और भारतीय सिनेमा तथा संगीत जगत में उनके योगदान को याद किया।

गेहूंखेड़ा, अमरावतखुर्द-दानिश हिल्स व्यू में कल बिजली कटौती, भोपाल के 20 इलाकों में असर; हर्षवर्धन नगर-बैरागढ़ चिचली में भी सप्लाई नहीं

भोपाल, (ए)। भोपाल के करीब 20 इलाकों में मंगलवार को 2 से 8 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा।जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें गेहूंखेड़ा, अमरावतखुर्द, दानिश हिल्स व्यू, हर्षवर्धन नगर, बैरागढ़ चिचली समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में बिजली संबंधित जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े। इन इलाकों में पड़ेगा असर

सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक गौतम नगर, ई-7 सेक्टर, नुपूर कुंज, अमरावतखुर्द, गिरनार कॉलोनी, गिरनार हिल्स एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक बैरागढ़ चिचली, मीनाखेड़ी, अमराई, गेहूंखेड़ा एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 6 बजे तक पंपापुर, हर्षवर्धन नगर एवं आसपास।

सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक रामेश्वरम एक्सटेंशन, हाउसिंग बोर्ड क्वार्टर, गायत्री विहार, पार्थ सारथी परिसर एवं आसपास के इलाके। सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक दानिश हिल्स व्यू टाउनशिप, दानिश हिल्स व्यू-3 एवं आसपास के इलाके।

श्रावण के पहले सोमवार पर अमरकंटक में उमड़ी शिवभक्तों की भीड़, जलाभिषेक और पूजन से गूंजे शिवालय

अनूपपुर (ए.)। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले और पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मां नर्मदा उद्गम मंदिर, जालेश्वर महादेव, अमरेश्वर महादेव सहित जिले के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हजारों शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और लोककल्याण की कामना की।

सावन के पहले सोमवार के अवसर पर बड़ी संख्या में कांवड़िए भी अमरकंटक पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा उद्गम कुंड में स्नान कर पवित्र जल भरा और "हर-हर महादेव" तथा "बोल बम" के जयघोष के बीच जालेश्वर एवं अमरेश्वर महादेव मंदिरों में शिवलिंग का जलाभिषेक किया। कई श्रद्धालु जलाभिषेक के बाद पुनः नर्मदा उद्गम मंदिर पहुंचे और वहां से जल लेकर अपनी आगे की धार्मिक यात्रा के लिए रवाना हुए। श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना का सबसे पावन समय माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल, दूध, दही और घी से

अभिषेक किया तथा धतूरा, बेलपत्र और आक के फूल अर्पित किए। महिलाओं और अविवाहित युवतियों ने व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मनोकामनाएं मांगी।श्रद्धालुओं की भारी आमद को देखते हुए नर्मदा मंदिर समिति और जिला प्रशासन ने पूर्व से ही व्यापक व्यवस्थाएं की थीं। समिति के अनुसार सावन माह में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में दर्शन, पूजन और जलाभिषेक की व्यवस्थाओं के साथ सुरक्षा और सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया। जिले के प्रमुख शिवालयों में पूरे दिन दर्शन-पूजन का क्रम जारी रहा। मंदिरों में भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रथम सोमवार का पर्व पूरे जिले में श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए हलाहल विष का पान किया था। विष की तीव्रता को शांत करने के लिए देवताओं ने उनका जलाभिषेक किया, तभी से सावन मास में शिव जलाभिषेक की परंपरा विशेष महत्व रखती है। वहीं, यह भी मान्यता है कि माता पार्वती ने सावन मास में प्रकृति से प्राप्त सामग्री से भगवान शिव की आराधना कर उन्हें पति रूप में प्राप्त किया था।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

अनूपपुर,(ए.)। मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल के आह्वान पर सोमवार से अनूपपुर जिले के पटवारी अपनी पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में चरणबद्ध आंदोलन के अंतिम चरण में प्रवेश करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। पटवारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर अनूपपुर को संबोधित ज्ञापन अधीक्षक भू-अभिलेख को सौंपा तथा अपने बस्ते एवं राजस्व अभिलेख संबंधित तहसील कार्यालयों में जमा कर दिए।पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर के अध्यक्ष चेतन सिंह मरावी ने बताया कि प्रदेशभर के पटवारी लंबे समय से अपनी पांच सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं, लेकिन शासन स्तर पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसके विरोध में मध्यप्रदेश पटवारी संघ के निर्देशा पर अनूपपुर जिले की चारों तहसीलों के पटवारियों ने सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ कर दी है।कैडर रिव्यू लागू कर पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान का लाभ, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा का नियमित आयोजन, पटवारियों को जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करने, विभिन्न योजनाओं के लंबित मानदेय एवं भुगतानों का शीघ्र भुगतान, पटवारी संघ के पदाधिकारियों के स्थानांतरण नियमों के विरुद्ध किए गए तबादलों को निरस्त करने की मांग उठाई है।

इंदौर में महिलाओं के साथ मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद अवैध वृद्धाश्रम को गिराया गया

इंदौर(ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर में सोमवार को एक अवैध वृद्धाश्रम को गिरा दिया गया। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था जिसमें वहां रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं के साथ मारपीट की जा रही थी, जिससे लोगों में काफी गुस्सा फैल गया था।

अधिकारियों के अनुसार, बांगंगा पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित इस वृद्धाश्रम के खिलाफ जांच तब शुरू की गई जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया। इस वीडियो में एक 14 साल का लड़का वहां रहने वाली महिलाओं को डंडे से पीटता हुआ दिखाई दे रहा था।सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट निधि वर्मा ने बताया कि जांच में पता चला कि यह वृद्धाश्रम नगर निगम की 8,000 वर्ग फुट की जमीन पर चलाया जा रहा था, जिस पर पिछले चार साल से कब्जा किया हुआ था। उन्होंने बताया कि जांच के बाद, वृद्धाश्रम चलाने वाली नीलम दुबे ने वह जमीन इंदौर नगर निगम को वापस सौंप दी और उस जगह को गिरा दिया गया।31 लोगों को दूसरे केंद्रों में भेज दिया थाअधिकारियों ने बताया कि प्रशासन ने 30 जुलाई को ही इस वृद्धाश्रम को सील कर दिया था और वहां रहने वाले 31 लोगों को सामाजिक न्याय विभाग के तहत चलने वाले सरकार से मान्यता प्राप्त दूसरे केंद्रों में भेज दिया था।

सावन के पहले सोमवार पर पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

मंदसौर,(ए.)। सावन माह के पहले सोमवार को विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। तड़के मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंगला आरती हुई, जिसके बाद दर्शन और पूजन का क्रम शुरू हो गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में लंबी कतारें लग गईं और दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना की।श्रद्धालुओं ने भगवान पशुपतिनाथ को बेलपत्र, धतूरा और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। मंदिर परिसर दिनभर "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयघोष से गूंजता रहा। दोपहर में विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती का आयोजन किया गया, जबकि शाम को संध्या आरती, भजन-कीर्तन और रात्रि में शयन आरती के उपरांत मंदिर के पट निर्धारित समय पर बंद किए गए। श्रद्धालुओं की अधिक संख्या को देखते हुए पूर्व निर्धारित व्यवस्था के तहत गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित रखा गया। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाहर से ही भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन किए।मंदिर के पुजारी राकेश भट्ट ने बताया कि सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। सावन के प्रथम सोमवार के अवसर पर भगवान पशुपतिनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया तथा श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।उन्होंने बताया कि मंदिर प्रबंधन समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं।

नवजात के जीवन की पहली सुरक्षा है माँ का दूध

1 से 7 अगस्त तक मनाया जा रहा विश्व स्तनपान सप्ताह

उज्जैन (ए.)। प्रदेश में नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और उनके स्वर्णिम भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 से 7 अगस्त तक प्रदेश में 'विश्व स्तनपान सप्ताह 2026' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष वैश्विक स्तर पर अभियान की थीम 'जीवन की

सतत शुरुआत के लिए स्तनपान- जो प्रभावी है, उसे और सुदृढ़ करें' निर्धारित की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के समन्वय से आयोजित इस विशेष सप्ताह का मुख्य ध्येय प्रदेश में स्तनपान के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना और माताओं को वैज्ञानिक पोषण संबंधी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। प्रदेश के नवजात शिशुओं के लिए पहला गाढ़ा पीला दूध है कुदरती सुरक्षा कवच शिशु के जन्म के तुरंत बाद पहला घंटा उसके जीवन की स्वस्थ शुरुआत तय करता है। जन्म के समय माँ का पहला पीला गाढ़ा दूध, जिसे कोलोस्ट्रम या खीस कहा जाता है, नवजात के लिए पहला प्राकृतिक टीका है। प्रदेश के स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, विटामिन और आवश्यक खनिज तत्वों से भरपूर यह दूध शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करता है और उसे कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखता है। शुरुआती छह महीनों तक केवल माँ का दूध ही सर्वोत्तम और संपूर्ण आहार शिशु के जन्म से लेकर प्रथम छह माह की आयु तक उसे केवल और केवल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस अवधि में बच्चे को पानी, घुट्टी, शहद या अन्य कोई भी तरल पदार्थ देने की आवश्यकता नहीं होती।

रायसेन के जंगल में जीजा-साली के शव मिले, रविवार शाम बाइक से निकले थे दोनों, परिजनों के विरोध की बात सामने आई

रायसेन, (ए.)। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के बाड़ी क्षेत्र में सोमवार सुबह जंगल में एक पेड़ से जीजा और साली के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम संबंध और पारिवारिक विरोध से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।दोनों की पहचान सिलवानी क्षेत्र निवासी रुपेश कुशवाह (38) और पिंकी कुशवाह के रूप में हुई है। बाड़ी क्षेत्र के नागिन मोड़ स्थित पीपल वाले जंगल से सोमवार सुबह गुजर रहे लोगों ने एक पेड़ पर युवक और युवती के शव देखे। पास में एक बाइक खड़ी थी। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बाड़ी और सुल्तानपुर थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार, सिलवानी थाना क्षेत्र की जैतहरी चौकी अंतर्गत बिकलपुर निवासी रुपेश कुशवाह रविवार दोपहर अपनी साली पिंकी कुशवाह को लेने पाठा पौड़ी गांव गए थे। इसके बाद दोनों बाइक से घर से निकले, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने तलाश करने के बाद रात करीब एक बजे सिलवानी थाने में दोनों के लापता होने की सूचना दी थी।

व्यापार समाचार

करोड़ों का बिजनेस एआई के दम पर अकेले चला रहे लोग, जमकर हो रही कमाई

नई दिल्ली(ए.)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने कारोबार की दुनिया में बड़ा बदलाव ला दिया है। जहां पहले किसी कंपनी को शुरू करने और चलाने के लिए भारी निवेश, बड़ी टीम और दर्जनों कर्मचारियों की जरूरत होती थी, वहीं अब कई उद्यमी सिर्फ एआई की मदद से अकेले ही करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर रहे हैं। ईमेल का जवाब देने से लेकर कोडिंग, कस्टमर सपोर्ट, मार्केटिंग और रिफंड जैसी जिम्मेदारियां अब एआई संभाल रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनियाभर में ऐसे सोलो फाउंडर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो बिना किसी कर्मचारी के सफल कंपनियां चला रहे हैं। एआई उनके लिए एक वर्चुअल बिजनेस पार्टनर की तरह काम कर रहा है, जिससे बिजनेस शुरू करना पहले के मुकाबले कहीं आसान हो गया है।

कुछ महीनों में लाखों डॉलर का कारोबार

अमेरिका के उद्यमी बेन ब्रोका ने पिछले साल एआई आधारित एक स्टार्टअप शुरू किया, जो दूसरे कारोबारियों को एआई टूल्स उपलब्ध कराता है। कुछ ही महीनों में उनके 10 हजार से ज्यादा पेड ग्राहक बन गए और कंपनी इस साल करीब 1 करोड़ डॉलर (10 मिलियन डॉलर) की कमाई की ओर बढ़ रही है। खास बात यह है कि उन्होंने अब तक एक भी कर्मचारी नियुक्त नहीं किया है। एआई उनके लिए कोड लिखने, ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करने, ईमेल संभालने और नए ग्राहकों को जोड़ने जैसे कई काम कर रहा है। उनका मानना है कि अकेले फैसले लेने से काम तेज और प्रभावी होता है। तेजी से बढ़ रहे सोलो फाउंडर्स

कमजोर डॉलर से सोने और चांदी में तेजी, कीमतें करीब एक प्रतिशत तक बढ़ीं

मुंबई (ए.)। सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,41,511 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,002 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 10-20 पर यह 403 रुपए या 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,41,914 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,41,550 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,42,002 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,17,198 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,17,995 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में चांदी 2,149 रुपए या 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,19,347 रुपए प्रति किलो पर थी।अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,17,683 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,399 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर

छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,120 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 58.51 डॉलर प्रति औंस पर थी। जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की एक वजह डॉलर इंडेक्स का कमजोर होना है। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध रुकने से कच्चे तेल की कीमत नीचे आई है, जिससे अमेरिकी डॉलर की मांग घट गई है और डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है। डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल में भी कमजोरी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक, कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 5.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 83.20 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 6.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.06 डॉलर प्रति बैरल पर था।

देश की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का मार्केटकैप 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई (ए.)। देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का बाजार मूल्यांकन बीते हफ्ते 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह इक्विटी बाजार में मजबूत रैली थी।

27-31 जुलाई के कारोबारी सत्र में जिन कंपनियों के मार्केटकैप में बढ़ोतरी हुई है उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, लाइफ कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का नाम शामिल है।

इस दौरान केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर के ही मार्केट कैप में ही गिरावट आई। बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी का मार्केट कैप 80,345.97 करोड़ रुपए बढ़कर 7,10,817.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

यह तेजी कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 की जून तिमाही में समेकित कर-पश्चात लाभ में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करने के बाद आई। इसके चलते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 8 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए।भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 44,959.50 करोड़ रुपए बढ़कर 12,30,005.63 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, टीसीएस के मार्केट कैप में 40,414.03 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 8,55,894.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी मजबूत बढ़त दर्ज की।

कंपनी का बाजार पूंजीकरण 39,447.35 करोड़ रुपए बढ़कर 17,69,108.79 करोड़ रुपए हो गया।लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 21,096.80 करोड़ रुपए बढ़कर 5,41,844.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 10,845.97 करोड़ रुपए बढ़कर 9,47,799.81 करोड़ रुपए हो गया।

अमेरिका को पछाड़ भारत ने सोलर एनर्जी में दुनिया को दिखाया दम, बिजली की कीमत सुन रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली (ए.)। भारत में स्थापित सोलर एनर्जी क्षमता 2014 में सिर्फ 3 गीगावाट से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 162.15 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई है, जो देश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दिखाता है। यह

जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।सरकारी फैक्टशीट में कहा गया है कि देश ने 2025 में 37 गीगावाट सोलर क्षमता जोड़ी, जिससे सालाना क्षमता बढ़ोतरी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर ग्रोथ मार्केट बन गया।सोलर सेक्टर में सबसे अहम बदलावों में से एक पिछले दशक में बिजली की दरों में आई कमी है। यह 'ई-रिवर्स ऑक्शन' सिस्टम के जरिए हुई बोली की वजह से हुआ, जिसमें कंपनियां सबसे कम दर पर बिजली आपूर्ति करने के लिए मुकाबला करती हैं। जैसे-जैसे अधिक डेवलपर्स ने हिस्सा लिया, दरें 2010 में लगभग 18 रुपए प्रति यूनिट से घटकर 2.44 रुपए प्रति यूनिट के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गईं।

दरों में कमी ने सोलर पावर को काफी सस्ता बना दिया है। इसके चलते, भारत दुनिया के सबसे कम लागत वाले सोलर पावर मार्केट में से एक बनकर उभरा है। 2025 में, यूटिलिटी-स्केल सोलर पीवी से बिजली की 'लेवेलाइज्ड कॉस्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटी' (एलसीओई) 35 डॉलर प्रति मेगावाट थी, जो 44 डॉलर प्रति मेगावाट के ग्लोबल औसत से काफी कम है।31 जुलाई, 2026 को 'प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना' (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी मिलने से भारत के सोलर सेक्टर को बड़ा बढ़ावा मिला है। इस योजना का मकसद 'एनर्जी स्टोरेज सिस्टम' (ईएसएस) के साथ 5,000 मेगावाट के 'फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक' (एफएसपीवी) प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करना है। कम से कम दो घंटे (10,000 मेगावाट) की स्टोरेज क्षमता वाला ईएसएस राज्यों को पीक डिमांड को मैनेज करने में और मदद करेगा।

ZOMATO-SWIGGY की बढ़ने वाली है टेंशन, इस दिन से फूड डिलीवरी में एंट्री कर रहा FLIPKART

बेंगलुरु (ए.)। Zomato और Swiggy के एकाधिकार वाले भारतीय फूड डिलीवरी मार्केट में अब एक बड़ा भूचाल आने वाला है। ई-कॉमर्स की दुनिया में राज करने वाली दिग्गज कंपनी फ्लिपकार्ट (Flipkart) अब सीधे आपके घर तक गरमा-गरम खाना पहुंचाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। चर्चा है कि 15 अगस्त के आसपास कंपनी अपनी इस नई सर्विस का धमाकेदार आगाज कर सकती है। इस नई पारी के लिए कंपनी ने रेस्टोरेंट्स को अपने प्लेटफॉर्म से जोड़ना भी शुरू कर दिया है, जिससे मौजूदा कंपनियों की नींद उड़ना तय माना जा रहा है।रेस्टोरेंट्स को दिया ऐसा ऑफर, टेंशन में Zomato-Swiggy इस बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाने के लिए फ्लिपकार्ट ने एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक चला है। जहां एक तरफ Zomato और Swiggy जैसे जमे हुए प्लेटफॉर्म रेस्टोरेंट्स से 16 से 30 फीसदी तक का भारी-भरकम कमीशन वसूलते हैं, वहीं फ्लिपकार्ट उनसे सिर्फ 10 फीसदी कमीशन लेने की योजना बना रहा है। कंपनी के इस सस्ते कमीशन मॉडल से छोटे और बड़े दोनों तरह के रेस्टोरेंट्स को बड़ी राहत मिलेगी और वे तेजी से इस नए प्लेटफॉर्म की ओर शिफ्ट हो सकते हैं।

ONDC के जरिए सीधे बाजार में होगी धांसू एंट्री

फूड डिलीवरी के इस नए बिजनेस में कदम रखने के लिए फ्लिपकार्ट ने पारंपरिक तरीका अपनाने के बजाय भारत सरकार की ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) पहल का सहारा लिया है। ह्ह्छ्ष्ट के इस्तेमाल से कंपनी को अपना नेटवर्क शून्य से तैयार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस सरकारी पहल के जरिए डिजिटल कॉमर्स में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और फ्लिपकार्ट तेजी से अपनी सर्विस शुरू कर सकेगा।

शुरुआत में यहां मिलेगी सर्विस, ग्राहकों की होगी बल्ले-बल्ले

सामने आई जानकारी के अनुसार, फ्लिपकार्ट शुरुआत में अपनी यह फूड डिलीवरी सर्विस सिर्फ टेक सिटी बेंगलुरु में लॉन्च करेगा। यहां ट्रायल के तौर पर कुछ चुनिंदा ग्राहकों को यह सर्विस दी जाएगी और उनके फीडबैक के आधार पर सुधार करने के बाद इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा। सबसे अच्छी बात यह है कि कम कमीशन मॉडल का सीधा फायदा आम ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। रेस्टोरेंट्स की लागत कम होने से ग्राहकों को बेहतर डिस्काउंट, सस्ते डिलीवरी चार्ज और शानदार ऑफर्स मिलने की पूरी उम्मीद है। ग्राहक इस नई सुविधा का लाभ फ्लिपकार्ट के मुख्य ऐप के साथ-साथ एक अलग फूड डिलीवरी ऐप के जरिए भी उठा सकेंगे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नागरिक अधिकारों की अनदेखी

पुलिस कार्रवाइयों में मानव अधिकारों की अनदेखी बढ़ती चली गई है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या सत्ताधारी नेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व ने परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों की जवाबदेही तय करने के लिए आंदोलन चलाया, लेकिन उसी आंदोलन के दौरान ही पुलिस जवाबदेही का जो सवाल खड़ा हुआ, उसे उठाने की जिम्मेदारी उसने नहीं निभाई। यह स्वागतयोग्य है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ये दायित्व उठाया है। इससे संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मुद्दा भी उभरा है। गांधी ने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में दो ठोस सवाल पूछे: क्या 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान उन पर पैलेट गन सहित जानलेवा ताकत के इस्तेमाल की मंजूरी आपने दी और अगर नहीं, तो फिर किसने दी? सादी पोशाक में जो लोग लाठियों से छात्रों को पीटते देखे गए, वे पुलिसकर्मी थे या स्वयंसेवक, और उनकी तैनाती का आदेश किसने दिया?

देश के जनमत का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी की इस टिप्पणी से सहमत होगा कि ऐसी हिंसा से हर कायदा नष्ट होता है और इस घटना ने देशवासियों में आक्रोश भरा है। आशा है, गृह मंत्री नेता विपक्ष को जवाबी पत्र लिखने अथवा संसद में इन प्रश्नों का उत्तर देने की अपनी जवाबदेही स्वीकार करेंगे। इसकी आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि हाल के वर्षों में पुलिस कार्रवाइयों के दौरान मानव अधिकारों के प्रति सम्मान का भाव लगातार घटता चला गया है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या उच्च पदस्थ राजनेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं।

20 जुलाई को पुलिसकर्मियों ने देश की राजधानी में, विश्व मीडिया के सामने, उच्च-मध्यम एवं मध्य वर्ग से आए ज़ेन-जी प्रदर्शनकारियों पर वैसी ही अमान्य कार्रवाइयां कीं। चूंकि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आती है, इसलिए यह अपेक्षित है कि अमित शाह इस बारे में स्थिति स्पष्ट करें। अगर पुलिसकर्मियों ने खुद अति-उत्साह दिखाया, तो उनके खिलाफ तुरंत उचित कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। अगर निर्णय राजनीतिक स्तर पर लिया गया, तो गृह मंत्री को अपना उत्तरदायित्व स्वीकार करना चाहिए। जवाबदेही का सवाल धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ खत्म नहीं हो गया है।

आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का

हरिशंकर व्यास

नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और सोनम वांगचुक की 26 दिन तक चली भूख हड़ताल की तुलना 2011 के अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से की जा रही है। ऊपर से देखने पर लगेगा कि वैसा ही आंदोलन है। इससे पहले हुए किसी दूसरे आंदोलन से भी इसकी तुलना की जा सकती है। कह सकते हैं कि छात्र और नौजवान वैसे ही उद्वेलित हुआ, जैसे 2012 में निर्भया कांड के समय था। ऊपरी तौर पर इसकी तुलना पिछले पांच दशक में हुए किसी भी दूसरे आंदोलन से की जा सकती है। जेपी के आंदोलन से भी तुलना कर सकते हैं तो मंडल, मंदिर, किसान, शाहीन बाग, पाटीदार या मराठा आंदोलन के कुछ कुछ तत्व इस आंदोलन में भी तलाशे जा सकते हैं। लेकिन थोड़ी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा कि यह आंदोलन अब तक हुए सभी आंदोलनों से कई मायने में भिन्न है। इस आंदोलन की सबसे बड़ी पहचान है कि इसमें किसी तरह की अस्मिता नहीं तलाश सकते हैं। इस लिहाज से यह जेपी और अन्ना हजारे के आंदोलन की तरह है। उन दोनों आंदोलनों में भी समाज का हर वर्ग शामिल था क्योंकि उनमें जिस चीज का विरोध किया जा रहा था वह हर वर्ग को प्रभावित करने वाली थी। बाकी आंदोलनों में किसी न किसी तरह की अस्मिता का मामला रहा है। मंडल से लेकर मराठा या पाटीदार आरक्षण के आंदोलन में जातीय अस्मिता प्रमुख थी। मंदिर आंदोलन में भी हिंदू अस्मिता बहुत मुखर थी तो शाहीन बाग में मुस्लिम अस्मिता। निर्भया कांड के समय हुआ आंदोलन एक फ्लैश प्रोटेस्ट था, जो एक घटना से उपजा था और जल्दी ही समाप्त हो गया। उसका दायरा पूरे देश में नहीं फैला था। इन सबसे उलट नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ चल रहा आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का है। इसमें एक खास बात यह भी है कि कोई एक व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता है कि वह आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। सोनम वांगचुक जरूर इस आंदोलन की नैतिक ताकत हैं लेकिन नेतृत्व उनके हाथ में भी नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी आंदोलन का नेतृत्व करने का दावा नहीं कर सकते हैं। ऐसे आंदोलन के अक्सर अराजक हो जाने का खतरा रहता है।

– 04 अगस्त – पार्श्व गायक किशोर कुमार की जयंती

एक कलाकार से कहीं बड़ा बन गया एक नाम – किशोर कुमार

हर घर की अपनी कहानी थी, पर धुन अक्सर एक ही थी कुछ आवाज़ें इतिहास नहीं बनतीं, जीवन का स्वभाव बन जाती हैं

कृति आरके जैन

समय बहुत कुछ छीन लेता है, लेकिन कुछ स्वर उसकी पकड़ से बाहर रह जाते हैं। वे उम्र नहीं गिनते, पीढ़ियाँ जोड़ते हैं। जब भी वे सुनाई देते हैं, मन के बंद दरवाज़े बिना आहट खुलने लगते हैं। किशोर कुमार उसी विरल परंपरा के कलाकार हैं। 4 अगस्त 1929 को खंडवा में जन्मे आभास कुमार गांगुली ने संगीत को केवल मनोरंजन नहीं रहने दिया; उसे मनुष्य की निजी स्मृतियों का सबसे विश्वसनीय साथी बना दिया। उनकी जयंती इसलिए याद रहती है क्योंकि यह उस आवाज़ का दिन है जिसने हँसी को भी सुर दिया और पीड़ा को भी गरिमा। उनके स्वर में जीवन के लगभग सभी रंग बसते थे। इसलिए, उनका हर गीत सुनते ही बीता हुआ समय अनायास वर्तमान में लौट आता है।बड़े कलाकार जन्म से नहीं, साधना से पहचान पाते हैं। खंडवा के आभास कुमार गांगुली की यात्रा भी ऐसी ही थी। पिता कुंजीलाल गांगुली वकील थे, बड़े भाई अशोक कुमार सिनेमा में स्थापित। उनके बुलावे पर वे मुंबई पहुँचे। शिकारी से अभिनय शुरू हुआ, पर मन गायकी में रमा। संगीत की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं मिली; सुनना, आत्मसात करना और स्वर देना ही उनकी साधना थी। आरंभ में के.एल. सहगल का प्रभाव रहा, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली। जिद्दी का मरने की दुआएँ क्यों माँगूँ पहली बड़ी पहचान बना। फिर 1969 में आराधना ने इतिहास रच दिया। मेरे सपनों की रानी और रूप तेरा मस्ताना ने सिद्ध किया कि कई बार नायक से पहले उसकी आवाज़ लोगों के दिलों पर राज करती है। जब कोई कलाकार भावनाओं की भाषा बन जाता है, तब उसके गीत समय की सीमा नहीं मानते। किशोर कुमार के लिए सत्तर का दशक ऐसा ही स्वर्णकाल था। चिंगारी कोई भड़के में विरह की आँच है, ये शाम मस्तानी में जीवन की खुली मुस्कान, ये जो चिलमन है में चंचल शरारत और ज़िंदगी के सफर में में समय का निर्विकार सत्य। मेरे सामने वाली खिड़की में यह साबित करता है कि हँसी भी उतनी ही गहरी कलात्मक अभिव्यक्ति हो सकती है जितनी करुणा। लगभग सत्ताईस सौ गीतों का उनका संसार केवल उपलब्धि नहीं, भारतीय संवेदनाओं का जीवित अभिलेख है। प्रेम, पीड़ा, मस्ती, दर्शन, आशा और निराशा—मानवीय अनुभव का शायद ही कोई रंग हो जिसे उनकी आवाज़ ने स्पर्श न किया हो।बहुत कम आवाज़ें चेहरों नहीं, व्यक्तित्वों की पहचान बनती हैं। किशोर कुमार का स्वर किसी एक नायक तक सीमित नहीं रहा। राजेश खन्ना की रोमानी आभा, अमिताभ बच्चन का तेज, देव आनंद की चपलता और धर्मेंद्र की देसी सहजता—हर रूप में सहज ढल गया। आर.डी. बर्मन के साथ उनकी जुगलबंदी ने हिंदी फिल्म संगीत को नई ऊँचाइयाँ दीं। दम मारो दम, जाने जाँ ढूँढ़ता फिर रहा और चुरा लिया है तुमने ने युवाओं की धड़कनों को नई लय दी। एस.डी. बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और कल्याणजी-आनंदजी के साथ उन्होंने अनगिनत कालजयी गीत रचे। हमें तुमसे प्यार कितना, हाय रे वो दिन क्यों न आए और खाइके पान बनारस वाला बताते हैं कि उनकी आवाज़ हर भाव की स्वाभाविक अभिव्यक्ति थी। कुछ लोग अपनी कला से पहचाने जाते हैं, कुछ अपनी कला की सीमाएँ तोड़कर। किशोर कुमार दूसरी श्रेणी के कलाकार थे। गायकी उनकी पहचान अवश्य बनी, पर अभिनेता, संगीतकार, गीतकार और फिल्मकार के रूप में भी उन्होंने झुमरू, दूर गगन की छाँव में और दूर का राही जैसी फिल्मों से गहरी मानवीय संवेदनाओं को अभिव्यक्ति दी। दूर गगन की छाँव में आज भी एक सैनिक के मन की सबसे मार्मिक सिनेमाई अभिव्यक्तियों में गिनी जाती है। कला के सम्मान पर समझौता उन्हें स्वीकार नहीं था। पारिश्रमिक न मिलने पर आधा मेकअप लगाकर सेट पर पहुँचना या आधा गीत छोड़ देना इसी स्वाभिमान की मिसाल था।हर मधुर स्वर अपने हिस्से की खामोशी भी ढोता है। किशोर कुमार का जीवन भी इससे अछूता नहीं रहा। रुमा गुहा ठाकुरता, मधुबाला, योगिता बाली और लीना चंदावरकर के साथ उनके चार विवाह हुए, पर मधुबाला का साथ हिंदी सिनेमा की सबसे मार्मिक प्रेमकथाओं में गिना जाता है। उनकी बीमारी और असमय निधन ने किशोर कुमार को भीतर तक बदल दिया। उस दर्द की प्रतिध्वनि उनके अनेक दर्दभरे गीतों में महसूस होती है। 13 अक्टूबर 1987 को मात्र अट्ठावन वर्ष की आयु में हृदयाघात ने उनकी जीवन-यात्रा थाम दी। अंतिम इच्छा के अनुसार उनका पार्थिव शरीर खंडवा लाया गया। वे लौट तो अपनी जन्मभूमि आए, पर भारतीय संगीत में जो सन्नाटा छोड़ गए, वह आज भी वैसा ही गूँजता है।

लोकप्रियता समय के साथ धुंधली पड़ सकती है, लेकिन सच्ची कला हर दौर की कसौटी पर और अधिक उजली होकर लौटती है। किशोर कुमार की आवाज़ इसका जीवंत प्रमाण है। जीवन के सफर में राही आज भी आगे बढ़ने का विश्वास जगाता है, जबकि कुछ तो लोग कहेंगे समाज की रूढ़ मानसिकता पर आज भी उतनी ही पैनी चोट करता है। यही उनकी कला की सबसे बड़ी विजय है कि उनके गीत मनोरंजन की सीमाएँ लाँघकर जीवन-दृष्टि का हिस्सा बन गए।

इसलिए, उनकी आवाज़ हर पीढ़ी में नए अर्थ, नई आत्मीयता और नई प्रासंगिकता के साथ सुनाई देती है। समय अंततः उसी कला के आगे ठहरता है, जिसमें मनुष्य अपने जीवन का अक्स पहचान ले। किशोर कुमार की विरासत इसी सत्य की साक्षी है। खंडवा से निकला उनका स्वर अमरता तक इसलिए पहुँचा क्योंकि उसमें बनावट नहीं, सच्चाई थी; प्रदर्शन नहीं, संवेदना थी।

उन्होंने सिद्ध किया कि सच्ची कला हर दौर में नए अर्थों के साथ जीवित रहती है। जब तक किसी उत्सव में उनके गीत मुस्कान बनकर गूँजेंगे, किसी अकेले मन को उनका स्वर संबल देगा, किसी प्रेम में उनकी धुन धड़कनी और जीवन की राह पर कोई मुसाफिर उन्हें गुनगुनाएगा, तब तक किशोर दा स्मृति नहीं, भारतीय जनमानस की जीवित धड़कन बने रहेंगे।

नीलेकणी के ऊपर परीक्षा प्रणाली में सुधार का जिम्मा

अजीत द्विवेदी

इंफोसिस के सह संस्थापक और भारत में आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी के ऊपर केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ को भी इस उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पता नहीं लोगों को याद हो कि न हो, दो साल पहले इसरो के पूर्व प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। जैसे 2026 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद यह कमेटी बनी है वैसे ही 2024 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद वह कमेटी बनी थी। राधाकृष्ण कमेटी ने एक सौ ज्यादा सिफारिशें की थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी 27 सिफारिशें ऐसी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। कुछ सिफारिशें आंशिक तौर पर मानी गईं और 57 सिफारिशों को पूरी तरह से स्वीकार किया गया। लेकिन उसका क्या नतीजा निकला? दो साल के बाद फिर पेपर लीक हो गया!

राधाकृष्ण कमेटी ने सिफारिश की थी नीट यूजी सहित करीब 20 प्रतियोगिता परीक्षाएं कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में विषय के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद भी पेपर लीक होना जारी है और दूसरी गड़बड़ियां भी हो ही रही हैं तो इसका अर्थ है कि एकमात्र समस्या यह नहीं है कि एनटीए में विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं। समस्या संरचनात्मक और व्यवस्थागत है। अगर नंदन नीलेकणी संरचनात्मक समस्याओं को समझ कर उसे ठीक करने का सुझाव देते हैं तब तो ठीक है अन्यथा इसका भी कोई मतलब नहीं होगा।

उनके सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे अखिल भारतीय परीक्षा के सिद्धांत को खत्म करने की सिफारिश करेंगे? क्या वे कहेंगे कि एक बार में 24 लाख छात्रों वाली नीट यूजी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या वे यह सिफारिश कर सकते हैं कि मेडिकल में दाखिले की पुरानी व्यवस्था बहाल हो और नीट यूजी की बजाय राज्यों को अपने कॉलेजों में दाखिले का अधिकार पहले जैसा दिया जाए? यानी शिक्षा और परीक्षा के मामले में राज्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित की जाए। अगर नंदन नीलेकणी की कमेटी नीट समाप्त करने और मेडिकल में दाखिले की परीक्षा का विकेंद्रीकरण करने की सिफारिश नहीं करती है तो उनकी सिफारिशों का स्कोप बहुत सीमित हो जाएगा और तब किसी बड़े सुधार की संभावना कम हो जाएगी।

अब सवाल है कि अगर नीट समाप्त करने या नीट जैसी दूसरी अखिल भारतीय परीक्षाएं खत्म करने की सिफारिश नीलेकणी कमेटी नहीं करती है तो उसके पास क्या विकल्प बचेगा? सबसे अच्छा तो यही होगा कि नीट को समाप्त किया जाए। लेकिन अगर सरकार की ओर से कमेटी की सिफारिशों का जो स्कोप तय किया जाएगा यानी जो फ्रेमवर्क दिया जाएगा उसमें पहले ही यह स्पष्ट कर दिया जाए कि नीट की परीक्षा जारी रहेगी तो फिर नीलेकणी कमेटी को नीट को इंजीनियरिंग में दाखिले की परीक्षा जेईई की तरह दो चरणों में कराने की सिफारिश करनी चाहिए। ध्यान रहे अगले साल नीट की परीक्षा जेईई की तरह कंप्यूटर आधारित होगी और कई पालियों में होगी। हालांकि उसमें प्रश्नपत्रों की कठिनता के आधार पर अंकों के सामान्यीकरण की अलग समस्या आती है। फिर भी कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा पेपर लीक की संभावना को कम करती है। इसके साथ साथ अगर नीट की परीक्षा भी जेईई के तरह दो चरण में हो तो पेपर लीक की संभावना और कम हो सकती है। दो चरण का अर्थ है कि पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा हो और दूसरे चरण में एडवांस परीक्षा हो। पहले चरण में मल्टीपल च्वाइस वाले प्रश्न हों और दूसरे चरण में सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएं।इसके अलावा नीलेकणी कमेटी को मेडिकल की पढ़ाई की फीस को नियमित करने के बारे में भी सुझाव देने चाहिए। अभी मेडिकल की परीक्षा में सबसे ज्यादा प्रश्न पत्र इसलिए लीक होते हैं कि एक बार में परीक्षा होती है और 720 अंकों की परीक्षा में अगर अच्छे अंक आ गए तो देश के प्रीमियम संस्थान में बहुत कम फीस में पढ़ने का मौका मिलता है। अन्यथा निजी कॉलेजों में फीस इतनी ज्यादा है कि लोग स्वाभाविक रूप से पेपर लीक पर पैसा खर्च करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद सरकार इसी वजह से इसे हाई स्टेक यानी बड़े दांव वाली परीक्षा मानती है। नीट के बचाव में तर्क दिया जाता है कि इसमें फ़ालफाई करके गरीब बच्चे भी मेडिकल की पढ़ाई कर सकते हैं। यह गलत है। निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस एक से डेढ़ करोड़ रुपए तक है।

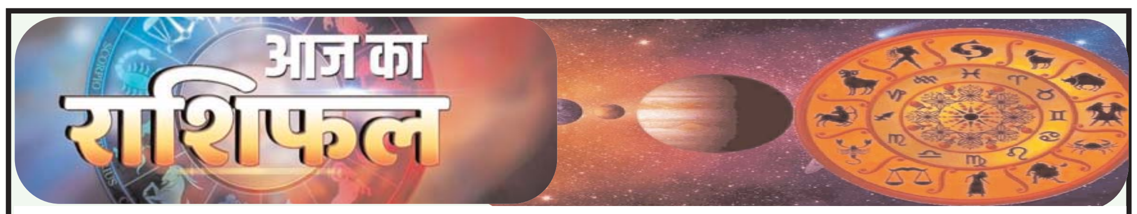

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आज किसी बड़ी कम्पनी से जॉब के लिए आपको कॉल आ सकती है। आज आपको कारोबार में वरिष्ठ अधिकारियों और परिवार के सदस्यों से उचित समर्थन और मदद मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रहे थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते है।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों में आनन्द की प्राप्ति होगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते है। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा आर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

वैश्विक द्वंद्व के उपहार, पेट्रोल डीजल और गैस की अनियंत्रित महंगाई।

संजीव ठाकुर

विश्व अर्थव्यवस्था की धमनियों में यदि किसी तत्व को रक्त की उपमा दी जाए तो वह निस्संदेह तेल है। विश्व के सभी देशों में भारत सहित पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ा दिए गए हैं इनमें सबसे कम भारत में ही पेट्रोलियम पदार्थों के रेट बढ़ाए गए हैं। यह थोड़ी राहत की बात हो सकती है परंतु भारत की जैसी अर्थव्यवस्था पर निश्चित तौर पर यह बढ़े हुए पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आम जनता पर भारी पड़ सकते हैं। भारत में आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने का प्रभाव आम जनता पर हमेशा उनकी जेब पर भारी कटौती किए जाने का अंदेशा रहता है। भारत एक विकासशील देश है और यहां की अर्थव्यवस्था बहुत ही संवेदनशील एवं परिवर्तनशील है भारत की जनसंख्या वैश्विक देश में अग्रणी मानी जाती है देश में यदि थोड़े से भी आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो इस पर देश की अर्थव्यवस्था पर भारी परिवर्तन परिलक्षित होता है। पेट्रोलियम पदार्थ केवल वाहनों का ईंधन भर नहीं हैं, बल्कि आधुनिक औद्योगिक सभ्यता की गति, उत्पादन, परिवहन, ऊर्जा और व्यापार की आधारशिला हैं। जब तेल की कीमतों में असंतुलित वृद्धि होती है तो उसका प्रभाव केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खेतों की मिट्टी से लेकर कारखानों की मशीनों और आम आदमी की रसोई तक महसूस किया जाता है। आज वैश्विक स्तर पर बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों ने भारत सहित अनेक देशों की आर्थिक संरचना को झकझोर कर रख दिया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, ओपेक देशों की उत्पादन नीतियां तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान ने कच्चे तेल की कीमतों को अस्थिर बना दिया। एक समय जो कच्चा तेल 60 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच उपलब्ध था, वह कई अवसरों पर 100 डॉलर से ऊपर पहुंच गया। इसका सीधा प्रभाव उन देशों पर पड़ा जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर हैं। भारत अपनी कुल पेट्रोलियम आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का अर्थ है—देश के आयात बिल में भारी वृद्धि, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव और व्यापार घाटे का विस्तार।

भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि ने परिवहन लागत को तेजी से बढ़ाया। ट्रकों के भाड़े बढ़े तो फल, सब्जी, अनाज, दूध और दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी हो गईं। किसान के लिए डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं, बल्कि सिंचाई और कृषि उपकरणों की शक्ति है। डीजल महंगा होने का अर्थ है खेती की लागत बढ़ना। इसका परिणाम यह हुआ कि उत्पादन महंगा हुआ और महंगाई की दर लगातार ऊपर जाने लगी। आम नागरिक की आय स्थिर रही लेकिन खर्चों में वृद्धि होती गई। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग के लिए घरेलू बजट संतुलित करना कठिन हो गया।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने एक बार कहा था कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतें विकासशील देशों के लिए दोहरी चुनौती हैं—एक ओर महंगाई बढ़ती है और दूसरी ओर विकास की गति धीमी पड़ती है।

वास्तव में यही स्थिति आज अनेक देशों में दिखाई देती है। बढ़ती ईंधन कीमतों के कारण उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ गई। छोटे और मध्यम उद्योग, जो पहले ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा और मंदी से जूझ रहे थे, अब ऊर्जा लागत के दबाव में कमजोर पड़ने लगे हैं।विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी संस्थाओं ने भी चेतावनी दी है कि ऊर्जा संकट वैश्विक आर्थिक मंदी को और गहरा कर सकता है। जब परिवहन और उत्पादन महंगा होता है तो वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। उपभोक्ता कम खरीदारी करते हैं, बाजार की मांग घटती है और उद्योगों का विस्तार रुकने लगता है। यही कारण है कि कई देशों में आर्थिक विकास दर अनुमान से कम रही। यूरोप में गैस और तेल संकट ने ऊर्जा आधारित उद्योगों को प्रभावित किया, जबकि एशियाई देशों में आयात लागत ने आर्थिक संतुलन बिगाड़ा।अमेरिकी उद्योगपति हेनरी फोर्ड ने कहा था कि यदि उत्पादन और परिवहन महंगे हो जाएं तो बाजार की आत्मा कमजोर पड़ जाती है। आज यह कथन बिल्कुल सटीक प्रतीत होता है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें केवल व्यक्तिगत वाहन उपयोग को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि रेल, विमानन, शिपिंग और सार्वजनिक परिवहन की लागत को भी बढ़ाती हैं। विमान कंपनियों ने किराए बढ़ाए, मालवाहक कंपनियों ने अतिरिक्त शुल्क लगाए और इसका भार अंततः उपभोक्ता पर पड़ा।

सहरसा में पैसेंजर ट्रेन में लगी भीषण आग, पूरी तरह जलकर खाक हुआ कोच; यात्रियों में हड़कंप

सहरसा (आरएनएस)। बिहार के सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पर समस्तीपुर-सहरसा पैसेंजर ट्रेन (संख्या 63344) के इंजन से जुड़े एक कोच में सोमवार तड़के भीषण आग लग गई। घटना के समय ट्रेन में यात्री सवार थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, जिस कोच में आग लगी थी, वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है। असिस्टेंट फायर ऑफिसर निरंजन कुमार ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि रेलवे इंजन में आग लगी है। सूचना मिलते ही सहरसा फायर स्टेशन से एक फोम टेंडर और एक वॉटर टेंडर मौके पर भेजा गया। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, ट्रेन में सवार एक यात्री ने बताया कि सुबह करीब 3:40 बजे सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन पर ट्रेन में आग लग गई। घटना के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें सहरसा जाना था, लेकिन आग लगने के बाद सभी यात्री करीब दो घंटे तक स्टेशन पर फंसे रहे, जिससे उन्हें भारी असुविधा हुई।

महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोप के मामले में बृजभूषण शरण सिंह बरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया।

भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह सोमवार सुबह इस मामले में फैसले से पहले दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। उन्होंने कहा, जो कहेगा कोर्ट कहेगा हम अभी कुछ नहीं कहेंगे। कोर्ट की सुनवाई शुरू होने पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्विनी पंवार ने बृजभूषण शरण सिंह को बरी करने का फैसला सुनाया। इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर को भी बरी कर दिया गया है। दो जुलाई को अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला छह महिला पहलवानों की ओर से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा है। जनवरी 2023 में जब नए संसद भवन का उद्घाटन हो रहा था, तो उससे कुछ किलोमीटर दूर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया ने साथी पहलवान विनेश फोगाट के साथ मिलकर पूर्व भाजपा सांसद पर यौन उत्पीड़न और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

उनकी शिकायतों के आधार पर पुलिस ने सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस की एफआईआर में बृजभूषण सिंह के अलावा डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम शामिल किया गया। जून 2023 को पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ कई धाराओं के तहत आरोप-पत्र दाखिल किया था। ट्रायल कोर्ट ने मई 2024 को 5 महिला पहलवानों के उत्पीड़न और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए थे। एक नाबालिग पहलवान ने भी बृजभूषण पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में उसने अपनी शिकायत वापस ले ली और दिल्ली पुलिस ने 'बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम' (पोक्सो एक्ट) के तहत उस मामले में कैंसिलेशन रिपोर्ट दाखिल की। इसके बाद मामला बंद कर दिया गया था।

CM रेखा गुप्ता ने पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर 'अर्पण केंद्र' का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने सोमवार को पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर 'अर्पण केंद्र' (पुराने कपड़ों का दान केंद्र) का शुभारंभ किया। यह पहल दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) एवं दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य पुराने उपयोग योग्य वस्त्रों का संग्रह, रीयूज , रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्यूआर कोड आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से वस्त्र दान प्रक्रिया का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित दिल्ली का निर्माण केवल सड़कों, पुलों और मेट्रो लाइनों से नहीं होता, बल्कि जिम्मेदार नागरिकों, संसाधनों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक भावना से होता है। जब अपशिष्ट को संसाधन में बदला जाता है और विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है, तभी वास्तविक अर्थों में विकसित समाज का निर्माण होता है। इस अवसर पर मादीपुर से विधायक कैलाश गंगवाल, डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ विकास कुमार, दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष डॉ. शालिनी सिंह, वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पुराने वस्त्रों का रीसाइक्लिंग केवल कचरा कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि जल, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी प्रभावी उपाय है। प्रत्येक नागरिक द्वारा दान किया गया एक वस्त्र पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसी जरूरतमंद के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव ला सकता है। 3 मई 2026 को रखी गई परिकल्पना के तहत दिल्ली मेट्रो के 10 प्रमुख स्टेशनों पर ये केंद्र स्थापित किए जा रहे है। जिसमें पहले चरण के तहत आज 5 प्रमुख स्टेशनों, शालीमार बाग, पंजाबी बाग वेस्ट, मयूर विहार फेस-1, शाहदरा और रोहिणी वेस्ट पर अर्पण केंद्रों की शुरुआत कर दी गई है।

हाईवे पर कांवड़ियों के ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराई सरकारी एंबुलेंस, हादसे के बाद हंगामा, लगा लंबा जाम

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर सोमवार सुबह उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब तेज रफ्तार एंबुलेंस की टक्कर से कांवड़ क्षतिग्रस्त हो गई। घटना से नाराज कांवड़ियों ने सड़क पर धरना देकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद स्थिति को सामान्य कराया।

हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे थे श्रद्धालु

जानकारी के अनुसार, नोएडा के कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे थे। सुबह करीब 6:10 बजे उनका काफिला मुरादनगर में प्रिया सिनेमा के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक सरकारी एंबुलेंस ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर के कारण कांवड़ खंडित हो गई, जिससे श्रद्धालुओं में भारी नाराजगी फैल गई।

सड़क पर बैठकर किया विरोध प्रदर्शन

हादसे के बाद गुस्साए कांवड़ियों ने दिल्ली-मेरठ हाईवे पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी और यातायात रोक दिया। देखते ही देखते सड़क पर

कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। राहगीरों और यात्रियों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने समझाइश देकर खुलवाया रास्ता

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से बातचीत कर उन्हें शांत कराया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ और यातायात धीरे-धीरे बहाल हो सका।

एटा में भी कांवड़ियों की ट्रॉली हादसे का शिकार

उधर, एटा जिले में मैनपुरी-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अन्य हादसे में तेज रफ्तार ट्रक ने कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक कांवड़िए की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पीएम विकास योजना से सिख समुदाय के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को मिली गति, 11 हजार से अधिक लाभार्थियों ने पूरा किया प्रशिक्षण

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) योजना के माध्यम से सिख समुदाय सहित देश के अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण को बढ़ावा

दिया जा रहा है। योजना के तहत कौशल विकास, शिक्षा, नेतृत्व और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय देशभर के छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान के लिए पीएम विकास योजना संचालित कर रहा है। यह मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्र योजना है, जिसके अंतर्गत राज्यों को अलग-अलग आवंटन नहीं किया जाता।

उन्होंने बताया कि योजना का क्रियान्वयन पात्र परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों, सरकारी संस्थानों, केंद्रीय एवं राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, अल्पसंख्यक संस्थानों तथा राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठित संस्थानों के माध्यम से किया जा रहा है। योजना के प्रमुख घटकों में कौशल एवं प्रशिक्षण, नेतृत्व विकास, उद्यमिता और शिक्षा शामिल हैं। मंत्री ने बताया कि 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 59 परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों को 1.56 लाख लाभार्थियों के प्रशिक्षण का लक्ष्य दिया गया है। इनमें दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) को 31,600 अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण का लक्ष्य आवंटित किया गया है।उन्होंने जानकारी दी कि अब तक योजना के तहत 32,138 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कराया जा चुका है। इनमें 11,217 लाभार्थी सिख समुदाय से हैं, जिनमें 5,655 पुरुष और 5,562 महिलाएं शामिल हैं।

असम के शिवसागर ज़िले के नेपालिखुटी गाँव में लगातार बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ के बाद कीचड़, मलबा और क्षतिग्रस्त घर दिखाई दे रहे हैं।

17 की उम्र में खड़ी की कंपनी, अब 'चायवालाज' के मशहूर फाउंडर ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

दौसा,(आरएनएस)। राजस्थान के दौसा से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। महज 17 साल की उम्र में अपने बिजनेस का लोहा मनवाने

वाले मशहूर स्टार्टअप 'चायवालाज' के फाउंडर रोहित शर्मा ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। कुछ समय पहले ही अपना सारा चमकता कारोबार बंद कर आध्यात्म की राह पर चलने वाले रोहित ने अचानक इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, यह सवाल अब हर किसी के जहन में घूम रहा है और पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

बंद कमरे में फंदे से लटकता मिला शव, परिवार में मचा कोहराम

पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 30 वर्षीय रोहित शर्मा दौसा की साकेत कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहते थे। शनिवार दोपहर को जब काफी देर तक उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। घबराए परिजनों ने जब दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का खौफनाक नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। रोहित फंदे से लटके हुए थे। आनन-फानन में उन्हें उतारकर तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है, हालांकि आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

अभिजीत दिपके का बड़ा ऐलान, शिक्षा से जुड़ा कोई मुद्दा उठेगा, हमारा संगठन छात्रों के साथ खड़ा रहेगा

छत्रपति संभाजीनगर ,(आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सोमवार को केंद्र सरकार, शिक्षा व्यवस्था, छात्र आंदोलनों, राजनीतिक दलों और अपनी संगठनात्मक रणनीति के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि उनका संगठन किसी एक राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं बल्कि व्यवस्था (सिस्टम) के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। जहां भी छात्रों और शिक्षा से जुड़े मुद्दे सामने आएंगे, उनकी टीम वहां मौजूद रहेगी।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शिक्षा के मुद्दे पर कहा कि यह केवल किसी एक राज्य की समस्या नहीं है बल्कि लगभग पूरे देश में शिक्षा व्यवस्था चुनौतियों का सामना कर रही है। छात्र निराश हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। जहां भी शिक्षा से जुड़ा कोई मुद्दा उठेगा, उनका संगठन छात्रों के साथ खड़ा रहेगा और उनकी आवाज बुलंद करेगा।

उन्होंने विपक्षी दलों के कमजोर होने के पीछे प्रवर्तन एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को एक प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी दलों के खिलाफ किया गया। उदाहरण देते हुए उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र किया और कहा कि राज्य के दो बड़े विपक्षी दल शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)

दोनों में विभाजन हुआ। उनके अनुसार, इस तरह की घटनाओं ने विपक्ष को कमजोर किया है।

लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर अपनी राय रखते हुए दीपके ने कहा कि जब नागरिक अपनी चिंताएं व्यक्त करते हैं तो सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनकी बात सुने और उस पर कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि होती है और यदि बड़ी संख्या में छात्र किसी मंत्री को हटाने की मांग कर रहे हैं तो सरकार को उस मांग पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। हालांकि, यह उनका व्यक्तिगत राजनीतिक मत है।

अभिजीत दिपके ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका संगठन किसी विशेष राजनीतिक दल की आलोचना करने या बचाव करने के उद्देश्य से काम नहीं करता। यदि छात्र किसी भी सरकार के कार्यकाल में समस्याओं का सामना करेंगे, तो उनका संगठन सत्ता में मौजूद किसी भी दल के खिलाफ आवाज़ उठाएगा। मुख्यमंत्री या शिक्षा मंत्री चाहे किसी भी पार्टी से हों, उन्हें छात्रों के हितों को प्राथमिकता में रखना होगा।

अभिजीत दिपके ने कहा कि उन्हें किसी सामाजिक या ऐतिहासिक नेता से तुलना पसंद नहीं है। उन्हें अन्ना या गांधी जैसे संबोधनों से न पुकारा जाए और वे स्वयं को उसी पहचान के साथ देखना चाहते हैं, जिसे उन्होंने अपनाया है।

राजनीतिक दलों से संपर्क के सवाल पर दिपके ने बताया कि हाल के दिनों में खराब स्वास्थ्य के कारण उन्होंने किसी से बातचीत नहीं की। हालांकि उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा उनसे मिलने आए थे और उन्होंने बताया कि वे राहुल गांधी की ओर से समर्थन का संदेश लेकर आए हैं। कांग्रेस के कई सांसदों ने भी उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से भी समर्थन मांगा था और उनका प्रयास विभिन्न राजनीतिक दलों से संवाद बनाए रखने का रहा है।

नई राजनीतिक पार्टी और चुनावी राजनीति को लेकर उन्होंने कहा कि फिलहाल देश को एक पब्लिक प्रेशर ग्रुप की जरूरत है। उन्होंने आपातकाल (इमरजेंसी) का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल चुनाव लड़ना हर समस्या का समाधान नहीं होता।

गर्मी से अब मिलेगी राहत बारिश के आसार, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सावन के पहले सोमवार पर दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को मौसम राहत देने वाला रहने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार, 4 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।विभाग का कहना है कि पूरे सप्ताह आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और रुक-रुक कर हल्की बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत तो मिलेगी, लेकिन हवा में नमी अधिक रहने के कारण उमस लोगों को परेशान कर सकती है।मौसम विभाग के सात दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार, 3 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन आसमान सामान्यत: बादलों से ढका रहेगा और हल्की बारिश हो सकती है। इस दिन किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। वहीं, 4 अगस्त को भी अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हालांकि इस दिन मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वाह्न, अपराह्न और शाम के समय हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दिन अधिकतम आर्द्रता 90 प्रतिशत और न्यूनतम 75 प्रतिशत रह सकती है, जिससे उमस का असर अधिक महसूस होगा।

इसके बाद 5 अगस्त को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम सामान्यत: बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है।6 अगस्त को भी मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही रहेगा। अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश के आसार हैं। 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जबकि न्यूनतम आर्द्रता 70 प्रतिशत रहने की संभावना है। बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश का दौर जारी रहेगा।सप्ताह के अंतिम दिन 8 अगस्त को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है। इस दिन भी सामान्यत: बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बादलों की आवाजाही और रुक-रुक कर होने वाली बारिश से दिन के तापमान में बढ़ोतरी नहीं होगी, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

हालांकि वातावरण में नमी अधिक होने के कारण उमस बनी रहेगी। ऐसे में लोगों को पर्याप्त पानी पीने, धूप निकलने पर सावधानी बरतने और बारिश के दौरान यातायात संबंधी सलाह का पालन करने की सलाह दी गई है।

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली नाबालिग को राहत, दिल्ली पुलिस ने जीरो एफआईआर पर कार्रवाई रोकी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। जंतर-मंतर पर सीजेपी के छात्र आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को बड़ी राहत मिली है। नोएडा पुलिस द्वारा दर्ज की गई जीरो FIR को दिल्ली पुलिस ने आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब कोई आगे की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

यह मामला उस समय सुर्खियों में आया था, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में नाबालिग लड़की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करती नजर आई थी। वीडियो वायरल होने के बाद लड़की ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि वह केवल 15 साल की है और प्रदर्शन स्थल पर मौजूद अन्य लोगों के प्रभाव में आकर उसने ऐसी बातें कह दी थीं।

माफी मांगते हुए लड़की ने कहा, मैं सिर्फ 15 साल की हूं। मैंने जो किया, वह माफ करने लायक नहीं है। मैंने बहुत गलत बातें कही हैं। यह मेरी पहली और आखिरी गलती है। मैं पूरे देश से माफी मांगती हूं।

इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नरम रुख अपनाया था। उन्होंने कहा था कि वह भटके हुए बच्चों को माफ करते हैं और उन्हें अदालतों के चक्कर में डालने या परेशान करने से कोई सकारात्मक बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने समाज से भी बच्चों को माफ करने की अपील की थी।

वहीं, लड़की की मां ने भी प्रधानमंत्री से उनकी बेटी के खिलाफ दर्ज FIR वापस लेने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री ने उनकी बेटी को जीवनदान दिया है। साथ ही उन्होंने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की, ताकि नाबालिगों का दुरुपयोग रोका जा सके।

ट्रंप के हमले कैंसिल करने के बाद ईरानी मीडिया ने किया ट्रोल, कहा-फूल की हवा निकल गई

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान के खिलाफ संभावित मिलिट्री हमलों पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की घोषणा के बाद ईरानी मीडिया आउटलेट्स ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तीखी आलोचना और मजाक उड़ाया.ट्रंप ने एक ट्रुथ सोशल पोस्ट में दावा किया कि यह फैसला रीजनल एक्टर्स की रिक्वेस्ट के बाद लिया गया है, जिसमें कहा गया है, ईरान और दूसरे मिडिल ईस्टर्न देशों ने हमसे अभी-अभी कहा है कि हम कोई भी हमला न करें क्योंकि डील के पैरामीटर्स पर सहमति हो गई है.

उन्होंने आगे कहा कि इस समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत, पूरी तरह से और पूरी तरह से खोलना शामिल होगा. हालांकि, ईरान की सरकारी मीडिया ने मिलिट्री ऑपरेशन रोकने की किसी रिक्वेस्ट की पुष्टि करने वाली या होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तेहरान के रुख में किसी बदलाव का संकेत देने वाली कोई रिपोर्ट नहीं दी.सूत्रों ने इस डेवलपमेंट को वॉशिंगटन की वापसी के तौर पर दिखाया.सूत्रों ने इस डेवलपमेंट पर रिपोर्ट करते हुए पोस्ट किया, ट्रंप द फूल का दम निकल गया है! इसके साथ ही सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी मेहर ने इस बात को खारिज कर दिया कि तेहरान ने हमले रोकने की मांग की थी, और बताया कि ट्रंप एक बार फिर अपनी खोखली धमकियों से पीछे हट गए और दुनिया के सामने अपने पीछे हटने को एक एहसान के तौर पर पेश किया.मिलिट्री अधिकारियों का हवाला देते हुए मेहर ने ट्रंप के बयान को एक नया झूठ बताया और कहा कि ईरानी सेना हाई अलर्ट पर है और किसी भी हालात के लिए तैयार है. ईरानी आउटलेट्स ने वेस्टर्न मीडिया की उन रिपोर्टों की ओर भी इशारा किया जिनमें अमेरिकी एयर डिफेंस मिसाइल स्टॉक में बढ़ती कमी को हाईलाइट किया गया था, जिसमें सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी तस्नीम ने इस कमी को ईरान पर हमला रोकने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के पीछे मुख्य वजहों में से एक बताया.

राष्ट्रपति ट्रंप की फिर हुई फजीहत, सीजफायर के दावे के बीच गाजा में इजरायल ने किया हमला, 18 की मौत

यरुशलम/गाजा(आरएनएस) गाजा और इजरायल युद्ध में राष्ट्रपति ट्रंप की एक फिर फजीहत हुई है. ट्रंप के सीजफायर का दावा करने के बाद से इजरायल ने लगातार दूसरे दिन गाजा पर हवाई हमले किए. गाजा में इजरायल के हवाई हमले लगातार दूसरे दिन भी जारी रहे. फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को हुए हमलों में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई. वहीं इजरायल के मंत्री ने समझौते से इनकार करते हुए ट्रंप के दावे को झूठा ठहराया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि पिछले साल हुए युद्धविराम समझौते को लागू कराने की कोशिशों में प्रगति हुई है. लेकिन इसके बावजूद गाजा में हिंसा थमती नहीं दिख रही है. स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, रविवार तड़के इजरायल के लड़ाकू विमानों ने उत्तरी गाजा शहर, मध्य गाजा के दीर अल-बलाह और दक्षिणी इलाके खान यूनिस में कई हवाई हमले किए। अधिकारियों का कहना है कि इन हमलों में हाल के हफ्तों की तुलना में सबसे ज्यादा लोगों की जान गई है.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि हमास और अन्य फिलिस्तीनी सशस्त्र समूह हथियार छोड़ने (निरस्त्रीकरण) पर सहमत हो गए हैं. उनके इस बयान के बाद उम्मीद जगी कि गाजा में जारी युद्ध खत्म करने की दिशा में बड़ी प्रगति हो सकती है. इजरायल के ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने कहा कि सरकार हमास को हथियार छोड़ने का मौका देगी, लेकिन उन्हें इस बात पर काफी संदेह है कि हमास वास्तव में ऐसा करेगा.

मिडिल ईस्ट में जल्द लौटेगी शांति! ट्रंप ने किया ईरान के साथ फिर से बातचीत शुरु होने का एलान

वाशिंगटन/तेहरान,(आरएनएस)। मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी तनाव के बीच एक बार फिर शांति की उम्मीद जगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच जल्द ही महत्वपूर्ण समझौता हो सकता है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच सोमवार से एक बार फिर वार्ता शुरू होगी। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी अमेरिका से जून में हुए समझौता ज्ञापन का सम्मान करने की अपील की है।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति के विशेष विमान एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर सकारात्मक प्रगति हुई है और ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम के मुद्दे पर भी समझौते की दिशा में बातचीत आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सोमवार दोपहर से वाशिंगटन और तेहरान के बीच नए दौर की वार्ता शुरू होगी।ट्रंप ने खुलासा किया कि उन्होंने शुक्रवार को ईरान के खिलाफ प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले की योजना अंतिम समय में रद्द कर दी थी। उनके अनुसार यह निर्णय सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के आग्रह पर लिया गया।ट्रंप ने कहा कि इन तीनों देशों के नेताओं ने सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देने की सलाह

दी। उन्होंने कहा कि यदि हमला किया जाता तो उसका दायरा बहुत व्यापक हो सकता था और पूरे क्षेत्र में गंभीर मानवीय संकट उत्पन्न होने की आशंका थी।

उन्होंने कहा, मैं लोगों की जान नहीं लेना चाहता। हम युद्ध नहीं, बल्कि समझौता चाहते हैं। सऊदी अरब के राजा और युवराज ने भी बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की सलाह दी।

ईरान के साथ बातचीत के लिए किसी समय सीमा के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर ट्रंप ने कहा कि परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका किसी भी समय वार्ता के लिए तैयार है और उसका उद्देश्य संघर्ष समाप्त कर शांति स्थापित करना है।

उधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका से जून में दोनों देशों के बीच हुए समझौता ज्ञापन का सम्मान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अंतरिम समझौता भविष्य में तेहरान के विदेशी संबंधों की आधारशिला बन सकता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन को लेकर ईरान और ओमान के बीच बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और इस दिशा में सकारात्मक प्रगति हो रही है।गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से सैन्य संघर्ष शुरू हुआ था, जो लगभग 40 दिनों तक चला। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम लागू होने के बाद शांति वार्ता शुरू हुई, लेकिन कई दौर की बातचीत के बावजूद स्थायी समझौता नहीं हो सका।

पांच साल बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि से मिलीं आंग सान सू की, रेड क्रॉस अधिकारी ने की मुलाकात

नेपीडॉ,(आरएनएस)। म्यांमार की नजरबंद पूर्व नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू की ने सोमवार को इंटरनेशनल कमिटी ऑफ द रेड क्रॉस

(आईसीआरसी) के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि से मुलाकात की। फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय संगठन के प्रतिनिधि के साथ उनकी सार्वजनिक रूप से पुष्टि की गई यह पहली मुलाकात मानी जा रही है। इस घटनाक्रम को म्यांमार के राजनीतिक संकट के बीच एक महत्वपूर्ण मानवीय पहल के रूप में देखा जा रहा है। ताइवान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी सीएनए और तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के अनुसार, आईसीआरसी के म्यांमार स्थित रेजिडेंट प्रतिनिधि अर्नौड डी बेक ने राजधानी नेपीडॉ में आंग सान सू की से मुलाकात की। आईसीआरसी ने भी इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह मुलाकात उसकी मानक मानवीय प्रक्रिया के तहत हुई और इसमें सू की से अकेले में बातचीत करने का अवसर भी मिला। हालांकि, बातचीत की विषयवस्तु सार्वजनिक नहीं की गई।म्यांमार की सैन्य सरकार ने इस मुलाकात की कुछ तस्वीरें भी जारी की हैं। तस्वीरों में 81 वर्षीय आंग सान सू की पारंपरिक बर्मी पोशाक में आईसीआरसी प्रतिनिधि से हाथ मिलाते और बातचीत करते हुए दिखाई दे रही हैं। हालांकि, इन तस्वीरों के स्थान और समय की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।उल्लेखनीय है कि 1 फरवरी 2021 को म्यांमार की सेना ने तख्तापलट कर सत्ता अपने हाथ में ले ली थी।

क्यूबा में फिर छाया देशव्यापी अंधेरा, नेशनल इलेक्ट्रिकल ग्रिड फेल होने से ठप हुई बिजली आपूर्ति

हवाना, (आरएनएस) क्यूबा एक बार फिर गंभीर ऊर्जा संकट की चपेट में आ गया है। नेशनल इलेक्ट्रिकल ग्रिड फेल होने के कारण पूरे देश में बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हो गई। सरकारी बिजली कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ग्रिड में आई तकनीकी खराबी के चलते पूरे देश की बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है। हालांकि, ग्रिड फेल होने के वास्तविक कारणों का अब तक खुलासा नहीं किया गया है।

तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के अनुसार, अगस्त महीने में यह पहला देशव्यापी ब्लैकआउट है। इससे पहले जुलाई में भी क्यूबा को तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर बिजली संकट का सामना करना पड़ा था। लगातार हो रहे ब्लैकआउट ने देश की जर्जर विद्युत संरचना और गहराते ऊर्जा संकट को एक बार फिर उजागर कर दिया है। देशभर में जारी रोलिंग ब्लैकआउट का आम जनजीवन पर व्यापक असर पड़ रहा है। नागरिकों को बिजली उपलब्ध होने के सीमित समय के दौरान ही खाना पकाने, कपड़े धोने, मोबाइल और अन्य उपकरण चार्ज करने, इंटरनेट का उपयोग करने तथा भीषण गर्मी से राहत पाने जैसे दैनिक कार्य पूरे करने पड़ रहे हैं। अनिश्चित बिजली आपूर्ति के कारण लोगों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी चुनौती बन गया है।विशेषज्ञों का मानना है कि पुराने बिजली संयंत्र, ईंधन की कमी और ऊर्जा अवसंरचना पर बढ़ते दबाव के कारण क्यूबा लंबे समय से बिजली संकट से जूझ रहा है। बार-बार ग्रिड फेल होने की घटनाओं ने उद्योग, व्यापार और सार्वजनिक सेवाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

फीचर

सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, असर छोड़ने वाले किरदार निभाना चाहती हूं : बरखा सिंह

बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है।

क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें।

टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में आईआरएस अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं।बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में आईआरएस अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें। अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है। बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में आईआरएस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

फिल्मों में दमदार किरदार चाहती हैं अविका गौर, बोलीं- फर्नीचर बनकर नहीं रहना

टीवी के पॉपुलर शो बालिका वधू में आनंदी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अविका गौर अब अपने करियर को नई दिशा देना चाहती हैं. एक्ट्रेस का कहना है कि वो अब ऐसे रोल्स चुन रही हैं, जिनमें सिर्फ स्क्रीन पर मौजूदगी नहीं, बल्कि दमदार अभिनय दिखाने का मौका भी मिले.

अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं. शो के दौरान अविका ने कहा, मेरा मानना है कि लोग मुझसे बेहतरीन परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं. मैं अपनी फिल्मों में ऐसे किरदार निभाती रही हूं जहां मुझे परफॉर्म करने, एक्टिंग करने और एक एक्टर के तौर पर अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलता है. एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसलिए मुझे लगता है कि मेरा फोकस हमेशा सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने पर रहेगा, जहां मुझे फिल्म में सिर्फ फर्नीचर बनकर रहने के बजाय कुछ और करने का मौका मिले. इसलिए मैं सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने को लेकर हमेशा बहुत सतर्क रहूंगी. खतरों के खिलाड़ी 15 में वापसी के बारे में बात करते हुए अविका ने माना कि भले ही ये शो फिजिकली और मेंटली बहुत मुश्किल है, लेकिन उनका पिछला एक्सपीरियंस काफी चैलेंजिंग था. उन्होंने कहा, ये शो वैसे भी आसान नहीं है. ये बहुत चैलेंजिंग है. लेकिन मेरे लिए, मेरा पिछला सीजन कहीं ज्यादा मुश्किल था. उस सीजन में मुझे जो स्टंट दिए गए थे, वे मेरे लिए ज्यादा डरावने थे. इसलिए, अभी जो स्टंट मैं कर रही थी, उनसे मुझे इतना डर नहीं लगा कि मुझे लगे कि मुझे हार मान लेनी चाहिए. अविका इससे पहले शो के सीजन 9 में हिस्सा ले चुकी हैं.वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर का पंजाबी म्यूजिक वीडियो 7 अगस्त को रिलीज होने वाला है. इसके अलावा उन्होंने हिंट दिया कि वो जल्द ही टीवी पर भी वापसी कर सकती हैं. हालांकि, उन्होंने कहा कि फिलहाल वो इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं कर सकतीं.

डेस्क जॉब करने वाली महिलाएं इन 5 योगासनों को करें अपनी दिनचर्या में शामिल

डेस्क जॉब करने वाली महिलाओं को अक्सर कमर दर्द, गर्दन दर्द और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। योग इन समस्याओं से राहत पाने का एक बेहतरीन तरीका है। कुछ सरल और असरदार योगासन आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन सकते हैं। इन आसनों को आप ऑफिस में भी कर सकती हैं, जिससे आपका शरीर और मन, दोनों स्वस्थ रहेंगे। आइए आज हम आपको 5 ऐसे योगासनों के बारे में बताते हैं।

ताड़ासन

ताड़ासन एक सरल, लेकिन असरदार योगासन है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़ी हो जाएं और दोनों पैरों को आपस में मिला लें।हाथों को आसमान की ओर सीधा उठाकर उंगलियों को आपस में फंसाएं, फिर धीरे-धीरे सांस लेते हुए पंजों के बल खड़ी हों और शरीर को ऊपर की ओर खींचें।इस स्थिति में कुछ सेकंड रहने के बाद सांस लेते हुए धीरे-धीरे नीचे आएं। यह आसन शरीर को लचीला बनाता है और मानसिक शांति देता है।

भुजंगासन

भुजंगासन को सांप की मुद्रा भी कहा जाता है। इसे करने के लिए सबसे पहले अपने हाथों को कंधों के बराबर लेकर जमीन पर रखें और धीरे-धीरे सांस लेते हुए अपने शरीर को जितना संभव हो सके, उतना ऊपर उठाएं।इस मुद्रा में कुछ देर रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है और गर्दन दर्द से राहत दिला सकता है।इसके अलावा यह मानसिक शांति भी प्रदान कर सकता है।

बालासन

बालासन एक आरामदायक मुद्रा वाला योगासन है, जो तनाव मुक्त करने में मदद कर सकता है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठें और माथे को जमीन से सटाएं।दोनों हाथों को जमीन पर सामने की ओर फैलाएं। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं। यह आसन पीठ दर्द को कम कर सकता है और मानसिक शांति भी प्रदान कर सकता है।

वृक्षासन

वृक्षासन संतुलन बनाए रखने वाला योगासन है, जिसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़ी हो जाएं। फिर हाथों की मदद से दाएं पैर का तलवा बाएं जांघ पर रख लें।अब दोनों हाथों को सिर के ऊपर ले जाते हुए नमस्कार की अवस्था में आ जाएं। इस अवस्था में जितना संभव हो सके उतना देर तक रूकें, फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं।इसके बाद इस प्रक्रिया को विपरीत पैर से दोहराएं।

अधोमुख श्वानासन

अधोमुख श्वानासन को नीचे की ओर देखने वाले कुत्ते की मुद्रा के नाम से भी जाना जाता है।इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर वज्रासन की मुद्रा में बैठें, फिर सामने की तरफ झुकते हुए दोनों हाथों को जमीन पर रखें और गहरी सांस लेते हुए कमर को ऊपर उठाएं।इस मुद्रा में शरीर का पूरा भार हाथों और पैरों पर होना चाहिए। कुछ मिनट इसी अवस्था में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

ऑफिस में काम करते समय मेकअप को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

ऑफिस में लंबे समय तक काम करते हुए मेकअप का बिगड़ना एक आम समस्या है। कई बार पसीना, हवा और अन्य कारणों से हमारा मेकअप खराब हो जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान सुझाव देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने मेकअप को पूरे दिन बनाए रख सकते हैं और अपने चेहरे को ताजगी का अहसास करा सकते हैं। इन सुझावों से आपका मेकअप न केवल लंबे समय तक टिकेगा, बल्कि आपको ताजगी का अहसास भी कराएगा।

प्राइमर का करें इस्तेमाल

प्राइमर एक ऐसा उत्पाद है, जो आपकी त्वचा को तैयार करता है और मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखता है। इसे लगाने से पहले अपनी त्वचा को अच्छे से साफ करें और फिर प्राइमर लगाएं।यह आपके मेकअप को स्मूद बेस देता है और उसे पूरे दिन बनाए रखता है। प्राइमर लगाने से आपका मेकअप न केवल लंबे समय तक टिकेगा, बल्कि आपकी त्वचा भी ताजगी भरी महसूस होगी।

सेटिंग स्प्रे का करें उपयोग

सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप को स्थिर रखने में मदद करता है। इसे लगाने से पहले अपने पूरे मेकअप को पूरा कर लें और अंत में चेहरे पर हल्का-सा स्प्रे करें।

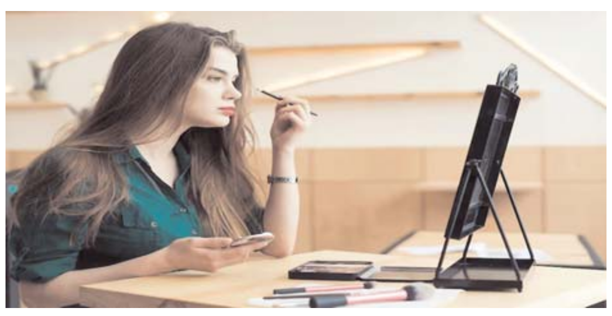

यह आपके मेकअप को पसीने और नमी से बचाएगा और उसे पूरे दिन ताजा बनाए रखेगा। इसके अलावा सेटिंग स्प्रे आपकी त्वचा को नमी भी देगा और आपको एक निखरा हुआ लुक देगा।इसे अपने बैग में हमेशा रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल कर सकें।

ब्लॉटिंग पेपर भी आएगा काम

ब्लॉटिंग पेपर आपके चेहरे से अतिरिक्त तेल और पसीने को सोखता है। इसे अपने बैग में रखें और जब भी आपको लगे कि आपका चेहरा थोड़ा चिपचिपा हो रहा है तो ब्लॉटिंग पेपर का इस्तेमाल करें।

यह आपके मेकअप को खराब होने से बचाएगा और आपको ताजगी भरी महसूस होगी। ब्लॉटिंग पेपर का उपयोग करने से आपका चेहरा साफ और ताजगी भरा दिखेगा, जिससे आप पूरे दिन आत्मविश्वास से भरी रहेंगी।

हल्का पाउडर लगाएं

हल्का पाउडर लगाने से आपका मेकअप सेट रहता है और चिपचिपाहट नहीं होती। इसे अपने चेहरे पर हल्का-सा लगाएं, खासकर माथे, नाक और ठोड़ी पर, जहां सबसे ज्यादा तेल निकलता है।पाउडर लगाने से आपका चेहरा न केवल साफ दिखेगा, बल्कि आपका मेकअप भी लंबे समय तक बरकरार रहेगा।इसके अलावा पाउडर लगाने से पसीने और नमी से बचाव होता है, जिससे आप पूरे दिन ताजगी भरा महसूस कर पाएंगी।

नियमित ब्रेक लें

लंबे समय तक कंप्यूटर स्क्रीन देखने से आंखें थकी हुई लगती हैं और इससे आंखों का मेकअप भी बिगड़ सकता है। हर घंटे 5-10 मिनट का ब्रक लें और अपनी आंखों को आराम दें।इस दौरान अपनी आंखों को बंद करें या हल्का-सा मसाज करें। इससे आपकी आंखें तरोताजा रहेंगी और आपका मेकअप भी सही रहेगा।

इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपने ऑफिस के काम करते समय भी खूबसूरत दिख सकती हैं।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति

नारायणपुर के मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' विजेताओं ने राष्ट्रपति से की सौजन्य भेंट

रायपुर,(आरएनएस)। बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सर्वोच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की। इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी-चालकी और पद्मसम्मानित कलाकार शामिल थे।

इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए रवाना किया था। पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया।

मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें 'बस्तर पंडुम' के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगड़ी कोर्राम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं, जिन्होंने पारंपरिक आभूषणों के सौंदर्य और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी साझा की। वहीं, बस्तर की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का नेतृत्व करते हुए एड़का परगना के मांझी राजाराम, करंगाल परगना के मांझी सुधवाराम करंगा, गोटाली परगना के मांझी मंगतू राम ध्रुव, नूरदेश परगना के मांझी गुड्डू पोटाई तथा करंगाल परगना के चालकी सोमारू राम ने बस्तर की पारंपरिक सामाजिक संरचना और रीति-रिवाजों का परिचय दिया।

अचानकमार टाइगर रिजर्व क्षेत्र में मलेरिया अलर्ट, प्रभावित गांवों में प्रशासन का विशेष अभियान

मुंगेली, (आरएनएस)। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड स्थित अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) क्षेत्र के कई गांवों में मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर प्रभावित गांवों में मलेरिया नियंत्रण, समय पर उपचार और संक्रमण की रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

प्रशासनिक अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमों ने तिलईडबरा, बहाउड़, सारसडोल, जमुनाही, अतरियाखार और राजक गांवों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सर्वे कार्य और उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे सहित अधिकारियों ने स्वास्थ्य अमले को प्रत्येक मरीज तक समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार पहुंचाने और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

हर-हर महादेव और बोल-बम के जयघोष के साथ निकली भोरमदेव पदयात्रा, शिवमय हुआ कबीरधाम

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा हजारों श्रद्धालुओं के साथ पदयात्रा में हुए शामिल

रायपुर, (ए.)। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को कबीरधाम जिले के ऐतिहासिक पुरातात्विक, पर्यटन एवं जनआस्था के केंद्र बाबा भोरमदेव मंदिर के लिए पदयात्रा में भारी उत्साह और भक्तिभाव के साथ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। भोरमदेव पदयात्रा से पहले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पंचमुखी बूढ़ा महादेव की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। उपमुख्यमंत्री शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने हर-हर महादेव, बोल-बम के जयघोष के साथ भगवा ध्वज हाथों में लिए लगभग 18 किलोमीटर श्रद्धालुओं का भोरमदेव पदयात्रा का शुभारंभ किया।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि श्रावण मास का प्रथम सोमवार भगवान भोलेनाथ की आराधना का विशेष अवसर है। बाबा भोरमदेव पदयात्रा में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता हमारी आस्था और परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस पावन यात्रा में शामिल होकर सभी श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने

कहा कि भोरमदेव केवल एक प्राचीन मंदिर नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का गौरव है। सरकार इस पवित्र धाम के संरक्षण, विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की तथा पदयात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, अधिकारी, कर्मचारी स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।भोरमदेव पदयात्रा को लेकर कवर्धा से भोरमदेव मंदिर पूरे 18 किलोमीटर तक पदयात्रा में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। जिले के विभिन्न संगठनों से लेकर अलग-अलग समाजिक संगठनों, ग्रामीणों ने पदयात्रा में शामिल जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारियों का पुष्प गुच्छ, माला भेंट कर व तिलक लगाकर स्वागत और अभिनंदन किया। ग्राम पंचायतों के पंच-सरपंच के अलावा वन विभाग, इंजीनियर एसोसिएशन संघ, जिला प्रेस क्लब, ज्वाईन हैण्डस, ट्रक मालिक संघ, प्रायवेट स्कूल संघ और विभिन्न विभागों ने अलग-अलग स्थानों में स्टॉल लगाकर श्रद्धालु, पदयात्रियों कांवरियों के लिए चाय, कॉफी, नास्ता, जूस, शरबत, नीबू पानी, खीर-पूडी और फल वितरण किया।इस वर्ष भोरमदेव पदयात्रा में भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश, नंदी और शिव परिवार पर आधारित आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं।

रात 3 बजे बर्थडे पार्टी में हंगामा, पुलिस से धक्का-मुक्की करने पर 7 गिरफ्तार

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में देर रात तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाकर हुल्लड़बाजी करना और पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की करना सात युवक-युवतियों को महंगा पड़ गया। कोतवाली पुलिस ने गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज कर चार युवकों और तीन युवतियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त की तड़के करीब 3 बजे थाना कोतवाली को गांधी नगर कालीबाड़ी क्षेत्र में प्रताप तांडी के मकान की छत पर जन्मदिन की पार्टी के दौरान तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाकर हंगामा किए जाने की शिकायत मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर साउंड सिस्टम बंद करा दिया।

कुछ देर बाद उसी स्थान से दोबारा तेज आवाज में डीजे बजने की शिकायत मिलने पर पुलिस फिर मौके पर पहुंची। इस दौरान मौजूद युवक-युवतियों ने पुलिस की समझाइश का विरोध करते हुए कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया, पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और झूमा-झटकी की, अश्लील गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को चोटें भी आईं।मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद थाना कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(2), 121, 121(1), 191 एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया।पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रताप तांडी (33), हरीश तांडी (30), दीपक दास (26), विपुल जोशी (30), हर्षा महानंद (25), दिव्या सोनी (27) और उपासना सोनी (28) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्रदेश में नकली/एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध के बाद कोरबा में जांच अभियान शुरू

कोरबा, (आरएनएस)। प्रदेशभर में नकली (एनालॉग) पनीर के क्रय, विक्रय एवं संग्रह पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद कोरबा जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन जांच अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। रविवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जिले के विभिन्न डेयरी एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।जांच अभियान के दौरान वंदना सेल्स, वचन मिल्क पार्लर, अलंकार डेयरी, गणेश डेयरी, प्रभात डेयरी, रवि डेयरी, संतोष डेयरी तथा सर्वमंगला डेयरी सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच में कहीं भी एनालॉग पनीर नहीं पाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति या प्रतिष्ठान नकली एनालॉग पनीर का क्रय, विक्रय, संग्रह अथवा उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर। आज राष्ट्रकवि डॉ मैथिलीशरण गुप्त का 140 वीं जयंती पर सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 3 के सहयोग से श्री गहोई वैश्य समाज रायपुर की सहभागिता से राजधानी शहर रायपुर में जलविहार कालोनी उद्यान परिसर स्थित उनके प्रतिमा स्थल के समक्ष पुष्पांजलि आयोजन रखा गया।

छत्तीसगढ़ में बने अटल परिसरों की मूर्तियों की गुणवत्ता अब सवालों के घेरे में

रायपुर (ए.)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी की स्मृति में प्रदेशभर में बने अटल परिसरों की मूर्तियों की गुणवत्ता अब सवालों के घेरे में है। कटघोरा के बाद अब गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही नगर पंचायत में स्थापित अटल की आदमकद प्रतिमा में भी दरारें और टूट-फूट सामने आई है। मरवाही नगर पंचायत में 25 दिसंबर 2025 को अटल जयंती के अवसर पर अटल जी की एक आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई थी। हाल ही में सामने आई तस्वीरों में इस प्रतिमा में साफ तौर पर गंभीर दरारें और टूट-फूट दिखाई दे रही हैं, जिससे निर्माण की खराब गुणवत्ता उजागर हुई है।नगर वासियों का कहना है कि इसे धातु से बना बताया गया है और यह विशुद्ध ब्रॉन्ज/कांस्य की है तो इतनी जल्दी दरारें कैसे ? स्थानीय नागरिकों और विपक्षी दलों का कहना है कि यह केवल एक वित्तीय घोटाला नहीं है, बल्कि देश की इतनी महान विभूति के सम्मान और जनमानस की श्रद्धा व आस्था के साथ खुला खिलवाड़ है।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मरवाही स्थित प्रतिमा की जांच के लिए भी एक तकनीकी टीम भेजी जा रही है। मूर्ति किस धातु या सामग्री से बनी है और इसमें दरारें क्यों आईं, इसका पता लगाने के लिए इसके घटकों के सैंपल कलेक्ट कर लैब टेस्ट कराए जाएंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री और संभाग आयुक्त से मांग की है कि मरवाही नगर पंचायत के तत्कालीन जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी,ठेकेदार के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

खेल समाचार

जूडो में पहली बार गोल्ड, मुक्केबाजों का ऐतिहासिक प्रदर्शन, इन 5 वजहों से भारत के लिए यादगार रहा सीडब्ल्यूजी 2026

नई दिल्ली (आरएनएस)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का शानदार क्लोजिंग सेरेमनी के साथ समापन हुआ। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हुए गेम्स में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन और हॉकी जैसे महत्वपूर्ण खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद भी भारत की झोली में कुल 39 मेडल आए। आइए आपको बताते हैं किन 5 वजहों से देश के लिए यादगार रहा इस बार का कॉमनवेल्थ गेम्स। भारतीय मुक्केबाजों का जलवाः कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन यादगार रहा। भारत ने इस खेल में कुल 10 मेडल जीते, जिसमें 7 गोल्ड मेडल शामिल रहे। यह पहला मौका रहा जब मुक्केबाजी में भारत की झोली में 7 गोल्ड मेडल आए। खासतौर पर भारत की बेटियों ने ग्लासगो में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्डन पंच लगाया। महिला मुक्केबाजों ने 5 गोल्ड और एक सिल्वर जीता, जबकि पुरुष मुक्केबाजों ने 2

गोल्ड और 2 सिल्वर अपने नाम किए। जूडो में ऐतिहासिक गोल्डः भारत का प्रदर्शन जूडो में भी इस बार यादगार रहा। पहली बार भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस खेल में गोल्ड मेडल जीता। अस्मिता डे के साथ-साथ हर्ष सिंह ने भी गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। वहीं, कुल मिलाकर जूडो में भारत ने इस बार 4 मेडल पर कब्जा जमाया। यामिनी मौर्य ने सिल्वर और उन्नति शर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मीराबाई चानू ने लगाई गोल्ड की हैट्रिकः कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल लाने की सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रहीं मीराबाई चानू देश की उम्मीदों पर एकदम खरी उतरीं। उन्होंने वेटलिफ्टिंग में 48 किलोग्राम वर्ग में 190 किलो का भार उठाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। मीराबाई ने यह लगातार तीसरी कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतकर हैट्रिक लगाई। गुलवीर सिंह का यादगार प्रदर्शनः भारत के लॉन्ग डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपने प्रदर्शन से इतिहास रचा। गुलवीर ने पुरुषों की 10 हजार मीटर फाइनल स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके बाद वह 5 हजार मीटर की रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। गुलवीर एक कॉमनवेल्थ गेम्स में दो मेडल जीतने वाले ट्रैक एंड फील्ड में पहले भारतीय खिलाड़ी बने। शर्मिला धनखड़ का गोल्डः भारत की पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रचा। उन्होंने शॉट पुट एफ57 में 20 साल का सूखा खत्म करते हुए भारत की झोली में गोल्ड मेडल डाला।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर हुए बुमराह, आकिब नबी को मिला मौका

नई दिल्ली,(ए.)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने उनकी जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहली बार भारतीय सीनियर टेस्ट टीम में शामिल किया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए उक्त जानकारी दी। बीसीसीआई के अनुसार, बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी बाएं घुटने की चोट से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। इसी वजह से उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए उपलब्ध नहीं माना गया और चयन समिति ने उनके स्थान पर आकिब नबी को मौका दिया।

मीराबाई चानू ने की केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से खास मुलाकात, भेंट की जर्सी

नई दिल्ली ,(ए.)। भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और मुख्य राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग कोच ने केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना तीसरा गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्होंने मंत्री को भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के सभी खिलाड़ियों द्वारा साइन की गई जर्सी भेंट की। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड बनाया और फिर क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाकर एक और गेम्स रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। केंद्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की वीडियो शेयर की। उन्होंने भारतीय महिला एथलीट की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा, ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार जीत के बाद घर वापसी पर स्वागत है मीराबाई चानू। उन्होंने वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर एक बार फिर भारत का मान बढ़ाया है। सभी वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों के साइन वाली टी-शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद।

किरेन रिजिजू ने वीडियो में मीराबाई चानू से कहा, मैंने कहा कि पेरिस ओलंपिक में मैं थोड़ा दुखी था, लेकिन इस बार आपने दिल खुश कर दिया। मुझे यकीन था कि इस बार तो गोल्ड ही आएगा। मीराबाई ने कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन बार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा। वह गोल्ड की हैट्रिक पूरी करने वाली दुनिया की पहली वेटलिफ्टर हैं।

मीराबाई चानू का कॉमनवेल्थ गेम्स में यह चौथा मेडल रहा। इससे पहले उन्होंने ग्लासगो 2014 में 48 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था, जबकि गोल्ड कोस्ट 2018 और बर्मिंघम 2022 में गोल्ड मेडल को अपने नाम किया था।

रविवार को ग्लासगो से लौटने पर मीराबाई का जोरदार स्वागत हुआ। टीम की सफल यात्रा का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों समर्थक इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जमा हुए थे। नई दिल्ली पहुंचने के बाद, मणिपुर की इस स्टार खिलाड़ी ने अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व जताया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, मणिपुर से होने के नाते, मुझे बहुत गर्व है कि मैंने अपने देश के लिए कुछ अच्छा किया है।

मीराबाई के साथ-साथ सिल्वर मेडल जीतने वाले लवप्रीत सिंह, ज्ञानेश्वरी यादव और ऋषिकांत शर्मा भी मेडल जीतकर स्वदेश लौटे। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए एक और यादगार प्रदर्शन में योगदान देने के बाद फैंस, परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों ने उनका स्वागत किया।

नई दिल्ली में शुरू हुआ आईएसएसएफ शॉटगन रेफरी कोर्स, शूटरों को मिलेगा तकनीकी मजबूती का नया आधार

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने देश में निशानेबाजी के तकनीकी ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सोमवार से पांच दिवसीय आईएसएसएफ

शॉटगन रेफरी कोर्स का शुभारंभ किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 03 से 07 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर के योग्य तकनीकी अधिकारियों और मैच रेफरी तैयार करना है।कोर्स का संचालन अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) द्वारा नामित बहरीन के नूरुद्दीन अलयासी कर रहे हैं, जबकि भारत के अमर जंग सिंह सह-प्रशिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। इस प्रशिक्षण में भारत, सऊदी अरब और श्रीलंका के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर तकनीकी अनुभवों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलेगा।उद्घाटन सत्र में एनआरएआई के महासचिव पवन कुमार सिंह और सचिव राजीव कुमार भाटिया ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।एनआरएआई के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने कहा कि भारत में आईएसएसएफ शॉटगन रेफरी कोर्स का आयोजन देश की तकनीकी क्षमता को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एपीएलः चराईदेव सनराइजर्स ने तेजपुर टाइटंस को सात विकेट से हराया

गुवाहाटी, (ए.)। इंपीरियल ब्लू पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर असम प्रीमियर लीग (एपीएल) में सोमवार को असम क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चराईदेव सनराइजर्स ने तेजपुर टाइटंस को सात विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।पहले बल्लेबाजी करते हुए तेजपुर टाइटंस ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 128 रन बनाए। वसीम अकरम हक ने 27, कप्तान निहार डेका ने 21 और दानिश अहमद ने 20 रन बनाए। चराईदेव की ओर से दिबाकर जोहरी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट झटके। अम्लान ज्योति दास, मयुख हजारिका और अभिनाश फुकन ने एक-एक विकेट लिया, जबकि तीन बल्लेबाज रन आउट हुए।129 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चराईदेव सनराइजर्स ने 15.4 ओवर में तीन विकेट खोकर 132 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान सुमित घाडीगांवकर ने 27 गेंदों पर 36 रन और कीर्ति आजाद यादव ने 35 रन की संयमित पारी खेलकर दूसरे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की।

आईसीसी ने अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर लगाया आठ साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, (ए.)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भ्रष्टाचार रोधी न्यायाधिकरण ने अमेरिका के क्रिकेटर बोदुगुम अखिलेश रेड्डी को आईसीसी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तीन उल्लंघनों का दोषी पाए जाने के बाद आठ वर्ष के लिए सभी प्रकार के क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया है।आईसीसी के अनुसार, यह प्रतिबंध 21 नवंबर 2025 से प्रभावी माना जाएगा, जिस दिन अखिलेश रेड्डी को अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था। उनका प्रतिबंध नवंबर 2033 तक लागू रहेगा।यह मामला अबू धाबी टी10 लीग 2025 से जुड़ा है, जहां एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से आईसीसी ने नामित भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी (डीएसीओ) के रूप में जांच की थी।

जांच में अखिलेश रेड्डी को आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता की धारा 2.1.1 का दोषी पाया गया, जो किसी मैच के परिणाम, प्रगति, संचालन या किसी अन्य पहलू को फिक्स करने या अनुचित तरीके से प्रभावित करने के प्रयास से संबंधित है।इसके अलावा उन्हें धारा 2.1.4 के तहत भी दोषी पाया गया। इस धारा के तहत किसी अन्य खिलाड़ी या प्रतिभागी को मैच फिक्सिंग या भ्रष्ट गतिविधि के लिए उकसाने, प्रेरित करने, निर्देश देने या उसमें सहायता करने को अपराध माना जाता है।

न्यायाधिकरण ने अखिलेश रेड्डी को धारा 2.4.7 के उल्लंघन का भी दोषी ठहराया। जांच के दौरान उन्होंने अपने मोबाइल फोन से ऐसे डेटा और संदेश हटा दिए थे, जो जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकते थे। इसे जांच में बाधा डालने का प्रयास माना गया।अखिलेश रेड्डी ने अप्रैल 2025 में अमेरिका के लिए चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। वह इस वर्ष आईसीसी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन में दोषी पाए जाने वाले अमेरिका के दूसरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। इससे पहले बल्लेबाज एरॉन जोन्स को 2023-24 सत्र के बारबाडोस बिम10 टूर्नामेंट के दौरान आईसीसी आचार संहिता के पांच उल्लंघनों के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था।

चेल्सी एफसी ने अर्जेंटीना के खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को किया साइन, 2033 तक का हुआ करार

लंदन । चेल्सी एफसी ने आरसी स्ट्रासबर्ग से अर्जेंटीना के इंटरनेशनल खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को साइन करने की पुष्टि की है। मिडफील्डर ने 2033 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। अर्जेंटीना के 22 वर्षीय खिलाड़ी प्री-सीजन के दौरान मैनेजर जाबी अलोंसो और अपनी नई टीम के साथियों के साथ जुड़ेंगे। 22 वर्षीय बारको ने अर्जेंटीना में बोका जूनियर्स के साथ अपना करियर शुरू किया था। अकादमी में आगे बढ़ने के बाद उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया और 2024 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन में शामिल होने के लिए इंग्लैंड जाने से पहले कई खिताब जीते। ससेक्स कोस्ट पर रहने के दौरान, वह कुछ समय के लिए सेविला और आरसी स्ट्रासबर्ग के लिए लोन पर खेले। 2024/25 सीजन में शानदार प्रदर्शन और स्ट्रासबर्ग को यूरोपियन फुटबॉल में जगह दिलाने में मदद करने के बाद, वे स्थायी रूप से स्ट्रासबर्ग से जुड़ गए। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 43 मैचों में बारको ने 12 गोल में योगदान दिया।

देवालयों, शिवालयों में हर हर महादेव, सड़कों पर बम भोले के जय घोष से गूंजी नर्मदा नगरी

-सावन के प्रथम सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़ी भोले के भक्तों की भीड़

नर्मदापुरम(निप्र)। श्रावण माह में भगवान भोलेनाथ की भक्ति की विशेष आराधना जारी है। सावन के पहले सोमवार को नर्मदा नगरी के सभी शिवालयों में हर हर महादेव की गूंज होती रही। वहीं घाटों और शहर के मुख्य मार्ग पर कावडियों के द्वारा बम बम भोले के जयकारे लगाए जा रहे थे। सुबह से ही शिव भक्तों में और ज्यादा उत्साह देखा जा रहा था। शिव मंदिर में सूर्य उदय होते ही जल चढ़ाने वालों का तांता लगने लगा था। वहीं पूजन अर्चन और अभिषेक के क्रम जारी रहे। विंध्याचल शेड में शिवार्चन समिति के द्वारा पार्थेवेश्वर महादेव की पूजन के साथ महारूद्राभिषेक किया जा रहा है। नर्मदेवश्वर महादेव मंदिर में 11 पंडितों के द्वारा सामूहिक महरूद्राभिषेक किया जा रहा है। वहीं बीते 20 वर्ष की तरह डीईओ कार्यालय के पास वाले शिव मंदिर में भी हर दिन महारूद्राभिषेक के आयोजन जारी हैं। कई घरों में सोमवार को मिट्टी के शिवलिंग बनाकर अभिषेक किए जा रहे हैं। इसी के साथ ही शहर में दो संगठनों के द्वारा विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। जो सेठानी घाट से शुरू होकर अलग अलग दिशाओं की ओर रवाना हुई।

महारूद्राभिषेक के साथ सुबह हुई भस्म आरती

शिवार्चन समिति के द्वारा विंध्याचल शेड में हर दिन की तरह सोमवार को भी महादेव की पूजन अर्चन पं सोमेश परसाई के आचार्यत्व में की जा रही है। सावन के प्रथम सोमवार को महारूद्राभिषेक के साथ ही भस्म् आरती की गई। हर हर दो मिनिट में हर हर महादेव के जयघोष किए जा रहे हैं। पं परसाई द्वारा इस मौके पर पौध संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं।

काले महादेव का हुआ विशेष श्रृंगार

नर्मदा तट के प्रसिद्ध काले महादेव मंदिर में श्रावण माह के प्रथम सोमवार को उज्जैन के महाकालेश्वर महादेव की तर्ज पर भगवान आदिदेव काले महादेव की पूजन अर्चन महारूद्राभिषेक के बाद विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि मंदिर में मन महेश का मनमोहक स्वरूप बनाया गया। यहां दर्शन करने वालों का तांता लगा

मंदिरों में हो रहे अनुष्ठान

श्रावण सोमवार के अवसर पर शहर के सभी देवालयों में भोलेनाथ की पूजन अर्चन के साथ अभिषेक के आयोजन किए जा रहे हैं। पंचमुखी शिव मंदिर, शिवम शिवालय, शनि शिवालय, इच्छापूर्ति महादेव मंदिर, शिव पार्वती मंदिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, शिव मंदिर, भोले बाबा मंदिर सहित शहर के दर्जनों शिव मंदिर में पूजन अभिषेक जारी हैं।

हाऊसिंग बोर्ड में हुआ सामूहिक रूदाभिषेक

हाऊसिंग बोर्ड में सेवाश्रम नर्मदा मंदिरम में पं गिरिमोहन गुरू के द्वारा बीते 25 वर्षों की तरह इस वर्ष भी संपूर्ण श्रावण माह महारूद्राभिषेक के आयोजन किए जा रहे हैं श्रावण सोमवार को सामूहिक रूद्राभिषेक के आयोजन किए गए।

बोल बम के साथ निकली भव्य कावड़ यात्रा

पचमढ़ी के जटाशंकर महादेव पर होगा समापन

नर्मदापुरम। माखन नगर(निप्र)। जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति के द्वारा धूमधाम से कावड़ यात्रा निकाली गई। बीते अनेक वर्षों की तरह इस वर्ष भी मां नर्मदा और आदिदेव काले महादेव की पूजन अर्चन अभिषेक के बाद समिति की अध्यक्ष राजो मालवीय के नेतृत्व में बोल बम के जयघोष के साथ विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। जो प्रथम दिन माखन नगर के पास पहुंच गई है। इस कावड़ यात्रा में सोहागपुर क्षेत्र से आए और स्थानीय कावडियों ने बडीं संख्या में हिस्सा लिया। अगले सोमवार को पचमढी के जटाशंकर महादेव पर मां नर्मदा के जल से अभिषेक के साथ कावड़ यात्रा का समापन होता है।

अमृतमयी माँ नर्मदा में प्रदूषणरूपी विष न घोलें : आचार्य पं सोमेश परसाई

नर्मदापुरम(निप्र)। शिवार्चन समिति के तत्वावधान एवं पूज्य गुरुदेव आचार्य पं सोमेश परसाई के सान्निध्य में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित भव्य महारुद्राभिषेक में श्रावण के प्रथम सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का विधि.विधान से रुद्राभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पूज्य गुरुदेव आचार्य पं परसाई ने कहा कि माँ नर्मदा के मूर्त और अमूर्त दोनों स्वरूप हैं। हम सभी अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि जीवनदायिनी माँ नर्मदा की प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृपा हम पर निरंतर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा केवल एक नदी नहीं। बल्कि हमारी संस्कृति आस्था और जीवन का आधार हैं। इसलिए उनका संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं धार्मिक दायित्व है। पं परसाई ने कहा कि माँ नर्मदा को प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए केवल शासन.प्रशासन के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे माँ नर्मदा में कभी भी साबुन, सोडा अथवा अन्य प्रदूषक पदार्थों का उपयोग नहीं करेंगे तथा स्टील एवं लोहे के सिक्कों के स्थान पर तांबे के सिक्के अर्पित करेंगे। जिससे माँ नर्मदा की निर्मलता और पवित्रता बनी रहे।

इसके पूर्व आचार्य पं परसाई के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने 1008 रुद्राक्षों से श्रृंगारित भगवान भूतभावन शिव का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक किया। भगवान शिव का दुग्ध, दही, घृतए मधु, शक्कर सहित विभिन्न पवित्र द्रव्यों से अभिषेक कराया गया। तत्पश्चात रुद्रपाठ के मध्य सतत् जलधारा से अभिषेक सम्पन्न हुआ। भगवान का सुगंधित पुष्पमालाओं, भस्म, गुलाल एवं विविध पूजन सामग्रियों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। अंत में भस्म आरती एवं महाआरती के साथ समस्त श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पूजन कर विश्व कल्याण एवं जन.जन के सुख.समृद्धि की प्रार्थना की।

नपा में आयोजित हुआ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम

नर्मदापुरम्(निप्र)। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की अध्यक्षता माह के प्रथम कार्य दिवस पर नगरपालिका परिसर में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख कार्यालय अधीक्षक लेखापाल, योगेश सोनी स्वच्छ भारत अभियान प्रभारी अनुराग तिवारी सहित नपा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एआरआई सुनील अवस्थी ने किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार जमीनी स्तर पर ई विकास पोर्टल के संचालन का किया जा रहा परीक्षण

कृषि उत्पादन आयुक्त के.सी गुप्ता ने किया जिले के विभिन्न सीएससी सेंटर एवं डबल लॉक गोदाम का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार कृषि उत्पादन आयुक्त (अतिरिक्त मुख्य सचिव) के.सी. गुप्ता ने सोमवार को नर्मदापुरम जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था के लिए संचालित ई-विकास पोर्टल की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) एवं मार्कफेड के डबल लॉक गोदामों का निरीक्षण कर पोर्टल के माध्यम से टोकन जनरेशन, उर्वरक आवंटन तथा वितरण प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने नर्मदापुरम के कोठी बाजार स्थित सीएससी सेंटर, सेवा सहकारी समिति सांवलखेड़ा, सीएससी डोलरिया तथा बानापुरा कृषि उपज मंडी स्थित मार्कफेड के डबल लॉक गोदाम का भ्रमण किया। उन्होंने किसानों के लिए टोकन पर्ची जारी करने की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया तथा खाद वितरण के दौरान आने वाली तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं का मौके पर परीक्षण किया। इस दौरान ई-विकास पोर्टल के तकनीकी विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे, जिन्होंने पोर्टल के संचालन

से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। उन्होंने किसानों को पोर्टल की कार्यप्रणाली और तकनीकी विशेषताओं से अवगत कराते हुए कहा कि ई-विकास पोर्टल का उद्देश्य उर्वरकों का पारदर्शी, व्यवस्थित वितरण सुनिश्चित करना है। पोर्टल में ऐसी व्यवस्था विकसित की गई है जिससे बिचौलियों एवं उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और वास्तविक किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो। उन्होंने बताया कि ई-विकास पोर्टल को और अधिक प्रभावी एवं किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से किसान संगठनों के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, फील्ड स्तर पर पोर्टल के संचालन का निरीक्षण कर किसानों को आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम सहित तीनों संभागीय जिलों में किसान संगठनों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे, जिनका संकलन कर शासन स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि आवश्यक संशोधनों के माध्यम से पोर्टल को और अधिक सरल, सुगम एवं प्रभावी बनाया जा सके।निरीक्षण के दौरान प्रबंध संचालक मार्कफेड अभिजीत अग्रवाल, महाप्रबंधक अपेक्स बैंक के.टी. साजियान, नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त श्रीकांत बनोठ, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दतिया उप चुनाव में विजय मिलने पर कांग्रेस में जागा उत्साह

कांग्रेसियों ने जुलूश निकालकर मनाया जश्न,मिठाई बांटी

नर्मदापुरम। दतिया (निप्र)। उपचुनाव में कांग्रेस की जीत से कांग्रेसियों में एक अलग ही उत्साह जागा है। जैसे ही जीत की ओर अग्रसर होने की जानकारी कांग्रेसियों को मिली तो कांग्रेसियों ने एक दूसरे से संपर्क करना शुरू कर दिया। कांग्रेसियों ने रामजी बाबा समाधि स्थल पर एकत्रित होने की सूचना दी। कांग्रेसियों ने उत्साह के साथ जुलूस निकालकर जश्न मनाया। विजय जुलूस रामजीबाबा समाधि स्थल से प्रारम्भ होकर सातरास्ते पहुंचा जहाँ माता काली मंदिर में माता महाकाली को भेंट अर्पित की इसके पश्चात कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाई बाँट कर खुशी जाहिर की। कार्यकताओ को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस नेता अधिवक्ता विजेन्द्र राजपूत ने कहा कि अब कांग्रेस की जीत की शुरुआत हो चुकी है। हम आगामी नगरपालिका विधानसभा सहित सभी चुनाव जीतेंगे। संतोष अहिरवार ने इस जीत को मोहन सरकार की हार बताया वहीं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष फैजान उल हक ने दतिया की जीत को युवाओं एवं किसानों की बड़ी जीत कहा। इस अवसर पर अनोखी राजोरिया, धर्मेन्द्र तिवारी, पूर्व नपाध्यक्ष मीना वर्मा संतोष तोमर, मंजुलमनी ढिमोले विनोद दुबे, कीर्ति मिश्रा आजाद भाटिया लखन रघुवंशी सुरेश तिवारी, गुलाम हैदर आनंद थापक कपिल यादव रिजवान कुलदीप राठौर राजकुमार सिंह सौरभ राय संतोष अहिरवार मुकुल गुप्ता शोभाराम पटेल नसीम कुरैशी दिलीप अहिरवार तुकाराम यादव जीतेन्द्र गोरेले राहुल संकटबंटी बरगले अशोक गोलिया समेत अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे। जुलूस का समापन नपा के प्रतिपक्ष नेता अनोखेराजोरिया के कार्यालय में हुआ। जहां कांग्रेसियों ने आगामी चुनावों में जोरशोर से तैयारी करने पर जोर दिया।

1 से 7 अगस्त तक जिले में मनाया जा रहा विश्व स्तनपान सप्ताह

नर्मदापुरम (निप्र) ।जिले में 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम जीवन की स्थायी शुरुआत के लिए स्तनपान : जो कारगर है उसे मजबूत करें निर्धारित की गई है। सप्ताह का उद्देश्य स्तनपान के महत्व के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा माताओं को शिशु के बेहतर स्वास्थ्य एवं विकास के लिए स्तनपान के प्रति प्रोत्साहित करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने बताया कि जिले के अस्पतालों के प्रसूति वार्ड, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) एवं पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती महिलाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा उनके परिजनों को स्तनपान संबंधी आवश्यक जानकारी दी जा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली। नर्मदापुरम (ए.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नितिन नवीन से मध्य प्रदेश की राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने रविवार को नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।मुलाकात के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के साथ.साथ विभिन्न सांगठनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संगठनात्मक कार्यों को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। भेंट के दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया भी उपस्थित रहे। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के आत्मीय आतिथ्य स्नेह एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही मध्यप्रदेश आगमन का आग्रह भी किया।

जाति नहीं प्रतिभा को पहचान मिलनी चाहिए

किसी देश को मजबूत बनना है तो उसकी नींव दो स्तंभों पर टिकी होनी चाहिए, पहला गरीब की मदद, दूसरा प्रतिभाशाली को पहचान-बी ईश्वर कुमार

बुदनी (निप्र)। गरीबी की कोई जाति, धर्म, क्षेत्र नहीं होता। गरीब चाहे किसी भी जाति में पैदा हो, भूख एक जैसी ही लगती है। फीस न भर पाने के कारण पढ़ाई छोड़ना कोचिंग के लिए पैसे न होने के कारण सपने तोड़ना यह दर्द सबका एक जैसा है। इसलिए सरकार को शिक्षा के लिए जितनी भी सुविधाएँ चाहिए सब देनी चाहिए। मुफ्त

शिक्षाए हॉस्टल किताबें मुफ्त कोचिंग छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर हर परिवार के बच्चों तक ये सब पहुँचना चाहिए। गरीबी के कारण एक भी प्रतिभा बर्बाद नहीं होनी चाहिए।यह बात वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवक बी ईश्वर कुमार ने अपनी जारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से व्यक्त की है। उनका कहना है कि लेकिन यहीं पर असली बात है।'मदद करना अलग है चयन करना अलग है।'अस्पताल में ऑपरेशन करने वाले 'डॉक्टर' आकाश में सैकड़ों लोगों के साथ विमान उड़ाने वाले 'पायलट लाखों लोगों के पार करने के लिए पुल बनाने वाले 'इंजीनियर' देश की नीतियाँ बनाने वाले 'अधिकारी' ऐसे महत्वपूर्ण पदों पर हम अगर मानकों से समझौता करेंगे तो देश का ही नुकसान होगा। यहाँ 'जाति पूछकर नहीं प्रतिभा को पहचान देनी चाहिए। जिसने ज्यादा नंबर लाए जिसने मेहनत करके टॉप रैंक हासिल की, जो प्रतियोगिता में खरा उतरा उसी को सीट मिलनी चाहिएए उसी को नौकरी मिलनी चाहिए। उसी को मौका मिलने का हक है। एक और महत्वपूर्ण बात। आरक्षण के कारण जो परिवार पहले ही ऊँचे पदों पर पहुँच चुके हैं, उनके बच्चों को बार.बार आरक्षण की जरूरत नहीं है। उनके पास पहले से ही सभी सुविधाएँ हैं। वह अवसर उन नए गरीब परिवारों को मिलना चाहिए जो आज भी जरूरतमंद हैं। यही अवसरों का सही सृजन है।

पुलिस की तत्परता से युवती को सुरक्षित निकाला, समझाइश देकर परिजनों को सौंपा गया

नर्मदापुरम। सोहागपुर (निप्र)। सोहागपुर थाना पुलिस को एक महिला द्वारा फांसी लगाने की सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी सोहागपुर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी के निर्देशन में एएसआई वरुण सिंहए आरक्षक क्रमांक 744 मनोहर दायमा एवं महिला आरक्षक क्रमांक 950 नेहा रघुवंशी तत्काल तिवारी कॉलोनी स्थित नरेश ठाकुर के निवास पर पहुंचे। पुलिस टीम द्वारा पीड़िता को कई बार आवाज लगाई गई लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरक्षक मनोहर दायमा द्वारा दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया गया। इसके पश्चात महिला आरक्षक नेहा रघुवंशी द्वारा युवती को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा आवश्यक समझाइश दी गई। पुलिस टीम की त्वरित संवेदनशील एवं साहसपूर्ण कार्यवाही से संभावित अप्रिय घटना को टालते हुए युवती को सुरक्षित बचा लिया गया। इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा एस थोटा द्वारा एएसआई वरुण सिंह आरक्षक क्रमांक 744 मनोहर दायमा एवं महिला आरक्षक क्रमांक 950 नेहा रघुवंशी को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित कर प्रशंसा की गई।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में 130 लीटर हाथभट्टी शराब, 3500 किलो महुआ लाहन व ट्रैक्टर जब्त

करीब 9.50 लाख रुपये की सामग्री जब्त, पांच प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र) ।कलेक्ट सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के परिवहन, निर्माण एवं संग्रहण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में रविवार को आबकारी विभाग की वृत्त औद्योगिक क्षेत्र इटारसी टीम ने तवा नदी किनारे ग्राम पाहनबर्री में विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान एक पावरट्रैक 439 आरडीएक्स ट्रैक्टर के जंगले से 50-50 लीटर क्षमता की दो कैनों में अवैध हाथभट्टी मदिरा बरामद की गई। मौके पर आसपास सघन तलाशी लेने पर लगभग 3,500 किलोग्राम महुआ लाहन भी जब्त किया गया। आबकारी विभाग ने इस कार्रवाई में कुल 130 लीटर हाथभट्टी मदिरा, लगभग 3,500 किलोग्राम महुआ लाहन तथा अवैध परिवहन में प्रयुक्त पावरट्रैक 439 आरडीएक्स ट्रैक्टर जब्त किया। जब्त मदिरा, लाहन एवं ट्रैक्टर की अनुमानित कीमत लगभग 9.50 लाख रुपये आंकी गई है। प्रकरण में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(1)(च) के तहत पांच प्रकरण दर्ज किए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जब्त कच्ची शराब के नमूने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजे जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com